दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली गुरुवार 07 मई -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 134 पेज-08 ● RNI NO. DELHI/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

रवींद्र जयंती पर 'नए बंगाल' का उदय

9 मई को भाजपा सरकार का शपथ-ग्रहण, पीएम मोदी होंगे शामिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के साथ एक नए राजनीतिक अध्याय की शुरूआत 9 मई को होने जा रही है। भारतीय जनता पार्टी राज्य में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह टैगोर जयंती (रवींद्र जयंती) के दिन यानी 9 मई को आयोजित करेगी। इसे बंगाल की सांस्कृतिक विरासत और राजनीतिक बदलाव दोनों के संगम के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने कहा, 'पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह 9 मई को होगा।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस तारीख का संकेत पहले ही अपने अंतिम चुनावी भाषण में दे दिया था। बैरकपुर की रैली में उन्होंने कहा था, '4 मई को नतीजों के बाद मैं फिर बंगाल आऊंगा, भाजपा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने।'

बंगाल में भाजपा की जीत पर बोले पीएम मोदी : सोमवार को ऐतिहासिक जनादेश सामने आने के बाद, मोदी ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए रवींद्रनाथ टैगोर के आदर्शों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का संकल्प ऐसा बंगाल बनाना है 'जहां मन भयमुक्त हो और मस्तक ऊंचा रहे', जो गुरुदेव टैगोर की अमर पंक्तियों की भावना को दशार्ता है।

औपचारिक काम जारी : इस बीच, चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारी प्रिंसिपल सेक्रेटरी एस।बी। जोशी और सेक्रेटरी सुजीत कुमार मिश्रा आज (5 मई) दिल्ली से कोलकाता पहुंचेंगे। वे राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल को चुनाव नतीजों की आधिकारिक गजट अधिसूचना सौंपेंगे। इसके बाद 6 मई को सीईओ, राज्यपाल आर। एन। रवि को औपचारिक रूप से जानकारी देंगे।

संवैधानिक प्रक्रिया के तहत राज्यपाल, निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इस्तीफा देने के लिए आमंत्रित करेंगे। सूत्रों के अनुसार, इसके बाद राज्यपाल उनसे शपथ ग्रहण तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में बने रहने का भी अनुरोध कर सकते हैं, ताकि प्रशासनिक निरंतरता बनी रहे।

यूं ही नहीं चुना गया 9 मई का दिन : सूत्रों का कहना है कि पोइला बैशाख के बाद 25 बैशाख (पोचिशे बोइशाख) यानी रवींद्र जयंती पर शपथ ग्रहण की तारीख तय करना केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे भावनात्मक और सांस्कृतिक अर्थ भी रखता है।

लोनी धर्मांतरण-हलाला कांड का मुख्य आरोपी खालिद हुसैन गिरफ्तार, डीसीपी ग्रामीण ने दिए सख्त कार्रवाई के संकेत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। लोनी क्षेत्र में धर्मांतरण, जबरन निकाह, तीन तलाक और हलाला से जुड़े एक गंभीर मामले में थाना अंकुर विहार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी खालिद हुसैन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह मामला कई वर्षों से चल रही कथित साजिश, मानसिक-शारीरिक प्रताड़ना और पहचान छिपाकर संबंध बनाने जैसे आरोपों से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार इंदौर निवासी एक युवती ने शिकायत में बताया कि करीब 12 साल पहले नावेद नाम के युवक ने खुद को नवीन राणा बताकर सोशल मीडिया के माध्यम से उससे दोस्ती की। विश्वास में लेकर उसे इंदौर से बुलाया गया और बाद में मुजफ्फरनगर के फुलत स्थित एक मदरसे में ले जाकर रखा गया। आरोप है कि वहां युवती को जबरन धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया गया और इस्लाम की तालीम दी गई।

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसके साथ बार-बार निकाह, तीन तलाक और हलाला जैसी प्रक्रियाएं कराई गईं। लंबे समय तक उसे मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। इस पूरे मामले में लोनी के अशोक विहार कॉलोनी में मदरसा चलाने वाला खालिद हुसैन और उसके परिवार के अन्य सदस्यों की भूमिका सामने आई है, जिनकी जांच जारी है। बताया जा रहा है कि पीड़िता पिछले कुछ वर्षों से लोनी क्षेत्र में रह रही थी और लगातार हो रही प्रताड़ना से परेशान होकर उसने दोबारा हिंदू धर्म अपनाया। इसके बाद उसने हिम्मत जुटाकर थाना अंकुर विहार में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। उधर डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने मामले पर बयान देते हुए कहा कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और इसमें जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इस प्रकरण में अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका भी खंगाली जा रही है और जांच आगे बढ़ने के साथ और खुलासे होने की संभावना है। यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और पुलिस पूरे घटनाक्रम को गंभीरता से लेते हुए हर पहलू की जांच में जुटी है।

दिनदहाड़े कैश वैन में लूट, 25 लाख लेकर 20 मिनट में फरार बदमाश

क्रॉसिंग रिपिब्लक इलाके में हुई वारदात, कुशलिया में कैश वैन छोड़कर भागे लुटेरे

- बलैनो में लूटकर भागे बदमाश, घटना के खुलासे के लिए आठ टीमें गठित

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद में अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस की एक और बड़ी तस्वीर सामने आई है। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में दिनदहाड़े एटीएम कैश वैन को निशाना बनाकर बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में लूट की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। महज 20 मिनट के भीतर पूरी वारदात को अंजाम देकर आरोपी लाखों रुपये लेकर फरार हो गए, जिससे पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार एवन इंडिया नामक फाइनेंशियल कंपनी की कैश वैन क्षेत्र के एक एटीएम पर कैश डालने पहुंची थी। वैन के कर्मचारी मशीन में पैसे भरने में व्यस्त थे, जबकि ड्राइवर वाहन के पास मौजूद था। इसी दौरान चार हथियारबंद बदमाश पैदल मौके पर पहुंचे और अचानक ड्राइवर को हथियारों के बल पर काबू में ले लिया। बदमाशों ने बेहद योजनाबद्ध तरीके से ड्राइवर को डराया-धमकाया और वैन को लेकर मौके से फरार हो गए। पूरी घटना इतनी तेजी से हुई कि आसपास मौजूद लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला।

8 टीमें गठित, कैमरे खंगाल रही पुलिस

करंट क्राइम : लूट की इस बड़ी घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। डीसीपी सिटी जोन धवल जयसवाल के निर्देश पर मामले के खुलासे के लिए 8 विशेष टीमों का गठन किया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि बदमाशों की पहचान और उनके भागने के रास्ते का पता लगाया जा सके। वहीं, कैश वैन के ड्राइवर और कर्मचारियों से भी गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं वारदात में किसी अंदरूनी जानकारी का इस्तेमाल तो नहीं हुआ।

कैडेट्स के सपनों और अनुशासन ने दिल को गहराई से छू लिया

सैनिक स्कूल चिंगछिप पहुंच भावुक हुए रिटायर्ड जनरल वीके सिंह

गाजियाबाद/मिजोरम। मिजोरम के राज्यपाल, रिटायर्ड जनरल एवं गाजियाबाद के पूर्व सांसद श. ड. ग्रल्लँ का सैनिक स्कूल चिंगछिप दौरा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि वहां पहुंचकर उनके भीतर का सैनिक भी पूरी तरह भावुक नजर आया। वर्षों तक भारतीय सेना में नेतृत्व कर चुके रिटायर्ड जनरल वीके सिंह ने कैडेट्स के बीच बिताए पलों को बेहद आत्मीय और प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने लिखा कि कैडेट्स के बीच समय बिताना, उनके सपनों को सुनना और उनके अनुशासन व ऊर्जा को करीब से महसूस करना दिल को गहराई से छू लेने वाला अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल चिंगछिप का वातावरण बेहद विशेष है, जहां हर ओर उद्देश्य, भाईचारे और राष्ट्रसेवा की भावना स्पष्ट दिखाई देती है। रिटायर्ड जनरल वीके सिंह ने विद्यालय के शिक्षकों और स्टाफ की सराहना करते हुए कहा कि वे पर्दे के पीछे रहकर जिस समर्पण के साथ युवा पीढ़ी को दिशा दे रहे हैं, वह वास्तव में राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने कैडेट्स को संदेश दिया कि वे बड़े सपने देखें, अपने मूल्यों से जुड़े रहें और देशसेवा की भावना को हमेशा जीवित रखें।

उनकी बातों में एक पूर्व सेनाधिकारी का अनुभव भी था और नई पीढ़ी को देखकर गर्व भी। कैडेट्स को देखकर मानो उनके सैन्य जीवन की यादें फिर ताजा हो उठीं। यही कारण रहा कि उनके शब्दों में केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक सैनिक का अपनापन, संवेदना और देश के भविष्य को लेकर भरोसा साफ दिखाई दिया। रिटायर्ड जनरल वीके सिंह का यह दौरा अब केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उन भावनाओं की अभिव्यक्ति बन गया है, जो एक सैनिक अपने जैसे अनुशासित और देशभक्ति से भरे युवाओं के बीच पहुंचकर महसूस करता है।

जनादेश का संदेश : अहंकार, भ्रष्टाचार और भय की राजनीति पर जनता का निर्णायक प्रहार : बालेश्वर त्यागी

भाजपा का विस्तार और नेतृत्व की स्वीकार्यता
कई राज्यों में भाजपा/एनडीए की जीत संगठन, रणनीति और क्षेत्रीय नेतृत्व (जैसे असम में हिमंत बिस्व सरमा) की मजबूती को दशार्ती है।

क्षेत्रीय बदलावों के गहरे संकेत
तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के नतीजे बताते हैं कि मतदाता वैकल्पिक राजनीति को स्वीकार करने के मूड में है और पारंपरिक सत्ता समीकरण बदल रहे हैं।

बंगाल में निष्पक्ष मतदान की भूमिका निर्णायक
केंद्रीय बलों और सख्त चुनावी व्यवस्था ने भयमुक्त मतदान सुनिश्चित किया, जिससे सत्ता परिवर्तन संभव हुआ।

अहंकार और आक्रामक राजनीति का नुकसान
नेताओं का अहंकार और जनता के प्रति असम्मान अंततः उनके खिलाफ जाता है—ममता बनर्जी का उदाहरण इसी संदेश को मजबूत करता है।

भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का अंत तय
लूट और भ्रष्टाचार से चलने वाली व्यवस्था ज्यादा समय तक टिक नहीं पाती—जनता अंततः उसका हिसाब जरूर करती है।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम कई दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। भाजपा की पूर्ववर्ती जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि पर उनकी विचार परिवार की पार्टी का सत्तारूढ़ होना, भाजपा और उसके कार्यकर्ता के लिए प्रसन्न होने का वाजिब कारण है। तमिलनाडु में थलापति विजय की जीत और स्टालिन की हार के भी गहरे अर्थ हैं। केरल में कम्युनिस्टों के शासन की भारत से विदाई और कांग्रेस नीत गठबंधन की जीत के संदेश को पढ़ने की जरूरत है। असम में तीसरी बार भाजपा की जीत को हिमंत विष्व सरमा की लीडरशिप को श्रेय दिया जाना चाहिए। पुडुचेरी में एनडीए की वापसी भी उल्लेखनीय है ।

बंगाल के चुनावों में मैं दो बातों का उल्लेख करना चाहूंगा। एक अगर चुनावों में इतना सेंट्रल फोर्स नहीं लगाया जाता और भय मुक्त मतदान के लिए इतने सारे कदम नहीं उठाए जाते तो तृणमूल को हराना कठिन होता। तृणमूल ने पिछले 15 वर्षों में जो सरकार और संगठन का घाल मेल किया है, सरकारी लूट में पार्टी के लोगों की हिस्सेदारी हुई है, उससे निष्पक्ष और नियम बद्ध शासन व्यवस्था पूर्णतः समाप्त हो गई है। अब चाहे चुनाव आयोग पर जो आक्षेप लगाए लेकिन अगर उसने शांतिपूर्ण मतदान के लिए इतने कठोर कदम नहीं उठाए होते तो तृणमूल की गुंडागर्दी को रोकना असंभव था। दूसरे भाजपा ने पूरे पांच साल योजनाबद्ध जमीनी हकीकत को समझकर ममता दीदी के विरुद्ध असंतोष की खेती की खूब निराई-गुड़ाई की और आम मतदाता को संभावित खतरे से न केवल आगाह किया बल्कि उसे भरोसा दिया कि उसकी सुरक्षा की गारंटी हमारी है। केरलम में विजयन की सरकार बुरी तरह हारी, तमिलनाडु में स्टालिन की सरकारी बुरी तरह हारी। शायद उन्होंने जनादेश को स्वीकार करके मतदाताओं के निर्णय को सम्मान दिया है । लेकिन ममता दीदी ये सम्मान देना जानती ही नहीं हैं। दीदी को भ्रम है कि उनकी इस छवि को जनता पसंद करती है लेकिन सच्चाई इसके विपरीत है। दीदी की आक्रामकता अब उनके ऊपर बोझ बन गई है।

ममता दीदी की हार से सभी नेताओं को समझना चाहिए कि एक तो नेताओं का अहंकार कभी जनता स्वीकार नहीं करती। जो नेता अहंकार में डूब जाते हैं और सत्ता के मद में लोगों का तिरस्कार और अपमान करते हैं, वे स्वयं ही अपने भविष्य पर ताला लगा देते हैं। दूसरे लूट के खाते का भी एक दिन जरूर हिसाब होता है। कमीशनखोरी सत्ता को गेहूं को घुन की तरह खा जाती है।

आरडीसी में अंसल की पांच बिल्डिंगों में आग से बचाव के इंतजाम नहीं, हजारों जिंदगियां खतरे में, बड़े हादसों का डर

- सीएफओ ने जारी किए नोटिस व वाद

गाजियाबाद , करंट क्राइम। गाजियाबाद के प्रमुख कमर्शियल हब आरडीसी, राजनगर में स्थित अंसल ग्रुप की पांच बहुमंजिला बिल्डिंगों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की अनदेखी ने हजारों लोगों की जान को खतरे में डाल दिया है। फायर सेफ्टी मानकों के पालन में गंभीर लापरवाही सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया है कि फायर विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत किए गए फायर ऑडिट और मॉक ड्रिल में खुलासा हुआ कि इन भवनों में अग्निशमन प्रणाली या तो पूरी तरह कार्यशील नहीं है या मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई। इसके चलते किसी भी आपात स्थिति में बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

कार्रवाई के घेरे में आई यह बिल्डिंगें

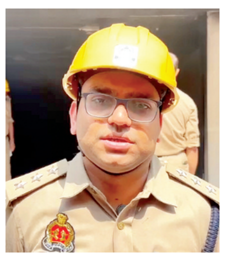

करंट क्राइम : सीएफओ राहुल पाल ने बताया है कि अंसल सुमंगलम, प्लॉट नं.-16, अंसल सुंदरम, प्लॉट नं.-17, अंसल सुमेधा, प्लॉट नं.-18, अंसल शिवम, प्लॉट नं.-19 और अंसल सत्यम, प्लॉट नं.-20 में इन भवनों के स्वामी कुशाग्र अंसल और करुण अंसल को पहले नोटिस जारी कर अग्निशमन व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन लापरवाही जारी रहने पर अब मामला न्यायालय तक पहुंच गया है।

हजारों लोगों की सुरक्षा पर सवाल

करंट क्राइम : दमकल विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बिल्डिंगों में रोजाना बड़ी संख्या में लोग काम करने, व्यापार और अन्य गतिविधियों के लिए आते-जाते हैं। ऐसे में फायर सेफ्टी की कमी सीधे तौर पर हजारों जिंदगियों को खतरे में डाल रही है। उधर अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि आग से बचाव के इंतजामों में लापरवाही अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों का पालन न करने वाले भवन स्वामियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

बंगाल में नई सरकार की तैयारियां शुरू
9 मई को कोलकाता में बीजेपी का शपथ समारोह

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 9 मई को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम कोलकाता के प्रतिष्ठित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं और वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शपथ समारोह में प्रधानमंत्री, एनडीए व भाजपा के सभी मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। दो दर्जन मंत्री भी शपथ लेंगे।

ब्रिगेड ग्राउंड में होगा आयोजन

बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे : पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में वोटिंग के बाद 4 मई को मतों की गणना हुई। जिसमें सत्ता धारी दल तृणमूल कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल लंबे शासन का अंत हो गया है। आंकड़ों की बात करें तो टीएमसी को मात्र 80 सीटें मिली हैं, जबकि पिछले चुनाव में पार्टी ने अकेले 215 सीटों हासिल की थी। जबकि भाजपा जिसे पिछले चुनाव में मात्र 77 सीटें मिली थी, उसने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 207 सीटों पर कब्जा जमाया है।

टैगोर की जयंती से संदेश देने की कोशिश : तृणमूल कांग्रेस के बंगाली अस्मिता के मुद्दे की प्रभावी रूप से हवा निकालने के लिए भाजपा ने शपथ ग्रहण के लिए रवींद्रनाथ टैगौर की 165वीं जयंती को चुना है। इस दिन 25वां वैशाख है, जो बंगाली कैलेंडर के मुताबिक टैगोर जयंती है। हालांकि अंग्रेजी भाजपा कार्यालय में सीएम पद कैलेंडर के हिसाब से उनकी के दावेदार शुभेदु अधिकारी जयंती 7 मई को होती है।

अमित शाह बने मुख्य केंद्रीय पर्यवेक्षक : भाजपा के लिए बंगाल की क्या अहमियत है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि नए मुख्यमंत्री के चयन के लिए होने वाली विधायक दल की बैठक के लिए गृह मंत्री अमित शाह को मुख्य केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। पार्टी की प्रचंड जीत के सूत्रधार माने जाने वाले शाह के साथ ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सह पर्यवेक्षक होंगे। सूत्रों के अनुसार, चुनाव के दौरान पार्टी का चेहरा रहे शुभेंदु अधिकारी नए मुख्यमंत्री हो सकते हैं।

जिंदा कारतूस रखने के आरोप में टीएमसी पार्षद गिरफ्तार

नई दिल्ली। आरोपी का नाम आमिरुल सेख इस्लाम है, जो बुदबुद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पुजाली नगरपालिका के वार्ड 14 के पार्षद हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें मंगलवार रात हिरासत में लिया गया, क्योंकि वह पिछले साल सितंबर में हवाई अड्डे पर उनके बैग से मिले हथियार के लिए वैध लाइसेंस तय समय में पेश नहीं कर पाए।

सीआईएसएफ के उप निरीक्षक गोपाल शाह की शिकायत के अनुसार, यह घटना 21 सितंबर 2025 की है, जब आरोपी इंडिगो की उड़ान पकड़ने के लिए हवाई अड्डे पहुंचे थे।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि सामान्य बैगेज जांच के दौरान यात्री के सामान में एक खाली मैगजीन और 7.65 मिमी के छह जिंदा कारतूस पाए गए। आरोपी ने शुरू में दावा किया था कि उनके पास वैध लाइसेंस है और दस्तावेज दिखाने के लिए समय मांगा था।

विजय ने राज्यपाल से की मुलाकात
टीवीके का सरकार बनाने का दावा पेश

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों के बाद तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) ने राज्य में सरकार बनाने की कवायद शुरू कर दी है। टीवीके प्रमुख विजय ने बुधवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से राजभवन में मुलाकात की। उन्होंने राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश किया। चेन्नई में विजय ने राज्यपाल को पार्टी के विधायकों के समर्थन का पत्र सौंपा। विजय की पार्टी हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। हालांकि बहुमत के आंकड़े से वह कुछ कदम दूर रह गई थी। इसी बीच, कांग्रेस ने डीएमके से अपना गठबंधन तोड़कर विजय की पार्टी को समर्थन देने का एलान किया है।

ऐसे समझें बहुमत का गणित : तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में सरकार बनाने के लिए 118 सीटों की जरूरत होती है। इस चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके ने 108 सीटों पर जीत दर्ज की है। कांग्रेस पार्टी ने टीवीके को अपना समर्थन देने का एलान किया है। कांग्रेस के पास विधानसभा में 5 सीटें हैं।

चुनाव में किसे कितनी सीटें मिलीं? : विधानसभा चुनाव में डीएमके को 59 और एआईएडीएमके को 47 सीटें मिली हैं। अन्य दलों में पीएमके को 4 और आईयूएमएल को 2 सीटें मिली हैं। सीपीआई, वीसीके और सीपीआईएम को भी 2-2 सीटों पर जीत मिली है। भाजपा, डीएमडीके और एएमएमके के खाते में 1-1 सीट आई है। टीवीके सबसे ज्यादा 108 सीटें मिली हैं।

राज्यपाल से मुलाकात के बाद अब सरकार गठन की औपचारिकताओं को पूरा किया जा रहा है। पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, विजय 7 मई को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं। विजय के राजनीति में आने और पहली बार में ही इतनी बड़ी जीत दर्ज करने से राज्य के सियासी समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं।

'भाजपा का हर छठा सांसद वोट चोरी से जीता'
राहुल बोले- निष्पक्ष चुनाव हुए तो 140 सीटें भी नहीं जीतेंगे

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी पर चुनावी प्रक्रिया में धांधली का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा में भाजपा के हर छठे सांसद ने वोट चोरी के जरिए जीत हासिल की है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि अगर देश में निष्पक्ष चुनाव कराए जाएं तो बीजेपी 140 सीटें भी नहीं जीत पाएगी।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी में पोस्ट करते हुए कहा कि वोट चोरी से कभी एक सीट चुराई जाती है और कभी पूरी सरकार। लोकसभा में बीजेपी के 240 सांसदों में लगभग हर छठा सांसद वोट चोरी करके पहुंचा है।

राहुल गांधी ने विधानसभा चुनावों के परिणामों पर भी लगाए थे आरोप

हरियाणा सरकार को बोला घुसपैठिया : उन्होंने भाजपा पर हमला तेज करते हुए कहा कि ऐसे सांसदों की पहचान करना मुश्किल नहीं है। राहुल गांधी ने भाजपा की शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए सवाल किया कि क्या ऐसे लोगों को घुसपैठिया कहा जाना चाहिए। उन्होंने हरियाणा सरकार को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि वहां पूरी सरकार ही घुसपैठिया है।

चुनावी संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप : कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया में हेरफेर किया जा रहा है और जिन संस्थाओं को निष्पक्ष होना चाहिए, वे रिमोट कंट्रोल से चलाई जा रही हैं। राहुल गांधी ने कहा, भाजपा को सबसे ज्यादा डर सच से लगता है। अगर आज निष्पक्ष चुनाव हो जाएं तो वे 140 सीटें भी नहीं जीत पाएंगे।

इससे एक दिन पहले भी राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत को जनादेश की चोरी करार दिया था। उन्होंने कहा था कि यह भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने की बीजेपी की बड़ी रणनीति का हिस्सा है। राहुल गांधी ने टीएमसी का समर्थन करते हुए कहा कि टीएमसी की हार पर खुशी जताने वालों को छोटी राजनीति से ऊपर उठना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह किसी एक पार्टी की लड़ाई नहीं, बल्कि भारत और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है।

गौरतलब है कि हाल ही में घोषित विधानसभा चुनाव नतीजों में भाजपा ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया, जबकि असम में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में सफलता हासिल की।

कुर्सी पर अड़ीं दीदी: हार के बाद भी इस्तीफा नहीं, राउत ने दिया समर्थन

मुंबई। पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम के बाद देश की राजनीति गरमा गई है। शिवसेना-यूबीटी नेता संजय राउत ने निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफा न देने के फैसले का पुरजोर समर्थन किया है। राउत ने कहा कि ममता बनर्जी का यह कदम केंद्र सरकार और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ एक बड़ा विरोध प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि यह केवल सत्ता का मोह नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने की एक लड़ाई है।

राउत ने चुनाव आयोग पर लगाया तानाशाही का आरोप

संजय राउत ने कहा कि देश में केंद्र की तानाशाही और चुनाव आयोग के पक्षपाती व्यवहार के खिलाफ एकजुट होना अब अनिवार्य हो गया है। उन्होंने बेहद कड़े शब्दों में चुनाव आयोग की आलोचना की। राउत ने आरोप लगाया कि वर्तमान में चुनाव संस्था पूरी तरह से केंद्र सरकार की गुलाम बन चुकी है। उन्होंने विपक्षी दलों से आह्वान किया कि अब यह तय करने का समय आ गया है कि भविष्य में चुनाव लड़ना भी है या नहीं।

जनादेश नहीं, यह तो एक गहरी साजिश है: ममता बनर्जी

ममता बनर्जी ने मंगलवार को घोषणा की थी कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी। उन्होंने बंगाल के चुनावी नतीजों को जनता का फैसला मानने से इनकार कर दिया है। ममता बनर्जी ने दावा किया कि टीएमसी को साजिश के तहत हराया गया।

हीटवेव से बचाव के लिए एक्शन मोड में रेखा सरकार
मुख्यमंत्री ने 13 मोबाइल हीट रिलीफ यूनिट्स को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नई दिल्ली। दिल्ली में भीषण गर्मी और हीटवेव के कहर से निपटने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज दिल्ली सचिवालय से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 13 मोबाइल हीट रिलीफ यूनिट्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीएम रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी।

उन्होंने लिखा, 'दिल्ली सचिवालय से भीषण गर्मी और हीटवेव से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से 13 मोबाइल हीट रिलीफ यूनिट्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन मोबाइल हीट रिलीफ यूनिट्स के माध्यम से ठंडा और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। ओआरएस के पैकेट वितरित किए जाएंगे प्राथमिक उपचार (ऋ१२३ अ) की सुविधा प्रदान की जाएगी। लोगों को लू और तेज धूप से बचाव हेतु कॉटन के गमछे और कैप उपलब्ध कराए जाएंगे।'

सीएम ने आगे लिखा, 'साथ ही, हीटवेव से बचाव और जागरूकता के लिए हीट एक्शन प्लान बुकलेट भी जारी की गई है। आप सभी से अपील है कि इस भीषण गर्मी में अपना और अपने परिवार का विशेष ध्यान रखें, पर्याप्त पानी पिएं, अनावश्यक धूप में निकलने से बचें। किसी भी आपात स्थिति में 112 हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से मोबाइल यूनिट्स की सुविधा प्राप्त की जा सकती है।'

पश्चिम बंगाल: ममता और अभिषेक बनर्जी के आवास से हटाई गई सुरक्षा?

कोलकाता। कोलकाता के पुलिस आयुक्त (सीपी) अजय कुमार नंदा ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो ममता बनर्जी और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी के आवासों से सुरक्षा हटाए जाने की खबरों पर स्थिति साफ की है।

उन्होंने बताया कि वहां पुलिस कर्मियों की एक अतिरिक्त यूनिट तैनात थी, इसलिए हमने उसे बस कम किया है। उन्होंने यह भी कहा कि जमीन पर जो सुरक्षा व्यवस्था है, वह नियमों के अनुसार ही पूरी तरह तैनात है।

चुनाव के बाद हिंसा को लेकर दी चेतावनी : राज्य में चुनाव के बाद हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाओं के बीच कोलकाता के पुलिस आयुक्त नंदा ने बुधवार को कहा कि जुलूसों में बुलडोजर का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर कोई बुलडोजर किराये पर ऐसे कामों के लिए देता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने लोगों से यह भी कहा कि अगर किसी को कोई परेशानी हो, तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें। साथ ही उन्होंने बताया कि शहर में सुरक्षा बलों की 65 यूनिट तैनात की गई हैं।

व्यापारियों का उत्पीड़न नहीं होगा बर्दाश्त, फूड इंस्पेक्टरों को विशेष सचिव की चेतावनी

आगरा। खाद्य सुरक्षा मानकों की आड़ में फूड इंस्पेक्टर या किसी भी विभागीय कर्मचारी ने व्यापारियों का उत्पीड़न किया तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि ऐसी कोई शिकायत मिलती है, तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। यह आश्वासन खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की विशेष सचिव रेखा एस. चौहान ने मंगलवार को सर्किट हाउस में हुई बैठक में उद्यमियों को दिया।

उद्यमियों ने खाद्य सुरक्षा मानकों की आड़ में विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। अनावश्यक परेशान करने की शिकायत की।

जिसके बाद विशेष सचिव ने उन्हें ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया। विशेष सचिव ने चैंबर ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज और होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के साथ आयोजित बैठक में कहा कि सरकार की मंशा उद्यमियों को परेशान करना नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य सुनिश्चित करना है।

सरकार ने की शिक्षकों की वेतन बढ़ोतरी, अध्यापकों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में बड़ा फैसला लेते हुए वोकेशनल और समग्र शिक्षा अभियान से जुड़े शिक्षकों के वेतन में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। नए निर्णय के तहत वोकेशनल शिक्षकों को अब 38,100 रुपये प्रतिमाह और समग्र शिक्षा अभियान के शिक्षकों को 35,420 रुपये प्रति माह वेतन मिलेगा।

इससे पहले वोकेशनल शिक्षकों को 20,000 से 23,000 रुपये के बीच मानदेय मिलता था, जबकि समग्र शिक्षा के शिक्षकों को करीब 21,000 रुपये मिलते थे। इस बढ़ोतरी के बाद दोनों वर्गों को प्राइमरी और अपर प्राइमरी शिक्षकों के बराबर वेतन मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में करीब 1,131 वोकेशनल शिक्षक विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। वहीं समग्र शिक्षा अभियान के तहत 784 विशेष प्रशिक्षण केंद्र संचालित हो रहे हैं, जहां ऐसे बच्चों को पढ़ाया जाता है जो किसी कारणवश स्कूल नहीं जा पाए या बीच में पढ़ाई छोड़ चुके हैं।

इन केंद्रों का उद्देश्य बच्चों को फिर से मुख्यधारा में जोड़ना है। सरकार के अनुसार यह फैसला शिक्षकों के समर्पण और मेहनत का सम्मान है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और मनोबल भी बढ़ेगा। सरकार का लक्ष्य है कि राजधानी का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

बदलता मौसम दे रहा बीमारियां को न्योता

आगरा। शहर में मौसम ने अचानक करवट ली है। पिछले दो दिनों से जहां हल्की ठंडी हवाएं चल रही हैं, वहीं दोपहर में तेज धूप और गर्मी है। बीते दिनों हुई हल्की बारिश ने तापमान को कुछ कम जरूर किया, लेकिन इस उतार-चढ़ाव ने लोगों की सेहत पर असर डालना शुरू कर दिया है।

डॉक्टरों के अनुसार इस समय सबसे ज्यादा परेशानी सर्द-गर्म के असर से हो रही है। लोगों में गले और शरीर में दर्द, बुखार, एलर्जी और सर्दी-जुकाम जैसी शिकायतें तेजी से बढ़ रही हैं। खासकर सुबह-शाम ठंडक और दिन में गर्मी के कारण शरीर के तापमान का संतुलन बिगड़ रहा है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। एसएन मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में भी इन दिनों ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ी है। मेडिसिन विभाग के डॉ. प्रभात अग्रवाल ने बताया कि ज्यादातर मरीज वायरल फीवर, गले के संक्रमण और एलर्जी की समस्या लेकर पहुंच रहे हैं। सलाह दी कि अचानक ठंडे-गर्म वातावरण में जाने से बचें, हल्का और संतुलित भोजन लें, पर्याप्त पानी पीएं और जरूरत पड़ने पर ही दवाइयों का सेवन करें।

कच्छ तट पर मिली संदिग्ध पाकिस्तानी नाव, बीएसएफ अलर्ट

अहमदाबाद। गुजरात के कच्छ जिले के समुद्री तट पर बुधवार को एक संदिग्ध पाकिस्तानी नाव परित्यक्त अवस्था में मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सीमा सुरक्षा बल के सूत्रों के मुताबिक, यह नाव भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के पास एक क्रीक क्षेत्र में मिली है।

प्रारंभिक जांच के दौरान नाव में मछली पकड़ने के उपकरण मिले हैं, हालांकि कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। अधिकारियों का कहना है कि नाव को किसने और कब छोड़ा, इसका पता लगाने के लिए जांच जारी है। सूत्रों के अनुसार, बीएसएफ के जवान नियमित गश्त के दौरान इस नाव तक पहुंचे। इसके बाद पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। दरअसल, अरब सागर के क्रीक क्षेत्र में भारतीय मछुआरों के प्रवेश पर प्रतिबंध है, लेकिन कई बार पाकिस्तानी मछुआरे अवैध रूप से भारतीय सीमा में मछली पकड़ने के लिए घुस आते हैं।

लखनऊ डिफेंस कॉरिडोर में देश की अत्याधुनिक गोला-बारूद फैक्टरी लगेगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में एक बड़ी उपलब्धि जुड़ने जा रही है। विश्वविख्यात इंग्लैंड की हथियार निमार्ता कंपनी वेब्ले एंड सियाल अब लखनऊ नोड में अत्याधुनिक गोला-बारूद (एम्युनिशन) निर्माण इकाई स्थापित करेगी। यह यूनिट सेना, अर्धसैनिक बलों और अधिकृत सुरक्षा एजेंसियों के लिए विभिन्न कैलिबर के कारतूस और हथियार सामग्री तैयार करेगी।

वेब्ले एंड सियाल ग्रुप के चेयरमैन जॉन ब्राइड और निदेशक मनिंदर सियाल के मुताबिक इसे देश की सबसे बड़ी एम्युनिशन इकाइयों में से एक बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

कंपनी ने पहले चरण में करीब 100 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है, जिसे अगले तीन वर्षों में बढ़ाकर 300 करोड़ रुपये तक ले जाया जाएगा। इस प्लांट में 9.19 मिमी, 5.5645 मिमी, 7.6239 मिमी, 7.6251 मिमी और 12.7 मिमी जैसे रक्षा-ग्रेड गोला-बारूद का उत्पादन 2027 तक शुरू करने का लक्ष्य है।

यह इकाई सिर्फ गोला-बारूद ही नहीं, बल्कि प्राइमर और अन्य जरूरी घटकों का भी निर्माण करेगी, जिससे कंपनी को पूरी उत्पादन प्रक्रिया (एंड-टू-एंड मैन्युफैक्चरिंग) की क्षमता मिल जाएगी। इससे देश में रक्षा उपकरणों के आयात पर निर्भरता घटेगी और ह्यमेक इन इंडियाह्व को मजबूती मिलेगी। कंपनी की एक यूनिट हरदोई के संडीला में पहले से संचालित है, जहां पिस्टल, रिवॉल्वर, राइफल और शॉटगन बनाए जा रहे हैं।

चुनाव में भाजपा ने बेईमानी की, इसके सैकड़ों वीडियो और शिकायतों के बंडल मेरे पास मौजूद : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को भाजपा पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव में आखिरी वक्त तक मजबूती से खड़ा रहा और जीत हासिल की, लेकिन अल्पमत की सरकार बनने के बाद भी विपक्षी दलों के साथ बेईमानी की गई। अखिलेश यादव ने चंडीगढ़ और कुंदरकी सहित विभिन्न स्थानों पर हुई कथित अनियमितताओं को लेकर भाजपा के '10 नम्बरी मॉडल' का जिक्र किया।

सत्ता बनाए रखने की कोशिश

आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी प्रक्रिया में धांधली कर सत्ता बनाए रखने की कोशिश कर रही है। उपचुनाव में 'मल्टी लेयर इलेक्शन माफिया' का खेलकुंदरकी और रामपुर उपचुनाव को लेकर अखिलेश यादव ने सबसे तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इन चुनावों में भारी धांधली हुई है।

उन्होंने इसे 'मल्टी लेयर इलेक्शन माफिया' का खेल बताया और आरोप लगाया कि वोटों की डकैती की गई। अखिलेश ने बंगाल हिंसा की निंदा की और सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि बंगाल चुनाव परिणाम पर संज्ञान ले तथा मतगणना लाइव प्रसारित की जाए। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन बना रहेगा और लोकतंत्र बचाने की लड़ाई जारी रहेगी।

भीषण हादसा: मैजिक वाहन पलटा, चार की मौत; तीन के सिर गायब

बलिया। बलिया जिले के मांझी- छपरा मुख्य मार्ग पर इनई गांव के समीप असंतुलित मैजिक वाहन पलटने के बाद सामने से आ रही बेकाबू ट्रक ने आठ लोगों को कुचल दिया। घटनास्थल पर ही चार लोगों की मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से जख्मी चार लोगों का छपरा सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बुधवार तड़के मैजिक पर सवार होकर कुल 13 लोग छपरा के ब्रम्हपुर से बरात में डांस का कार्यक्रम कर बलिया के नरही स्थित लक्ष्मण पुर चट्टी लौट रहे थे। लखनऊ निवासी आर्केस्ट्रा संचालक अशोक राम ने बताया कि सभी मृतक लखनऊ के निवासी हैं, जो ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम में आए थे। बताया कि हादसे के बाद मृतकों में से तीन शवों के सिर गायब थे। ट्रक सिर को कुचलते हुए गुजर गया। मृतकों की पहचान राहुल, अवधेश, प्रीति, सोनी के रूप में हुई। बताया कि बलिया जिले के नरही क्षेत्र में संचालित 'मुस्कान ऑर्केस्ट्रा' में काम करते हैं।

भुवनेश्वर में रिहायशी इमारत में भीषण आग, तीन लोगों की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में बुधवार तड़के एक रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने से एक बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दमकल विभाग की कई गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और करीब 30 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

पुलिस के अनुसार, आग सुबह करीब 4 बजे लक्ष्मीसागर इलाके स्थित बसंती विला अपार्टमेंट की ग्राउंड फ्लोर पर लगी। देखते ही देखते आग और धुआं पूरे भवन में फैल गया, जिससे कई लोग अंदर फंस गए।

हादसे में 70 वर्षीय बिश्वजीत बेहरा और 65 वर्षीय सुलता बेहरा की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों आग और धुएं के कारण इमारत में फंस गए थे। वहीं, 10 वर्षीय तेजस्विनी बेहरा गंभीर रूप से झुलस गई थी, जिसे इलाज के लिए कैपिटल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बिश्वजीत बेहरा अपार्टमेंट में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करते थे। हादसे के समय अधिकांश लोग सो रहे थे, जिसके कारण शुरूआत में स्थिति और भयावह हो गई।

07 May -26 page 3 06-05-26 10:53 PM Page 1

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। गुरुवार 07 मई -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

करंट क्राइम | ट्वीट का करंट

Ayush Tyagi Kakda · Follow
4h ·

I have no fear of defeat,
no intention of giving up,
just a promise to improve myself every day.
Struggle is my strength, my identity,
It is through this that I will one day become famous
#ghaziabad #muradnagar #ayushtyagikakda

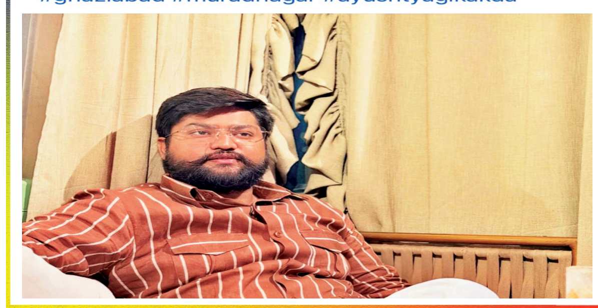

बंगाल विजय के बीच पूर्व मेयर अशु वर्मा का संकेत संघर्ष करने वाले कार्यकर्ता कहीं पीछे न छूट जाएं

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत के बाद जहां जश्न का माहौल है, वहीं गाजियाबाद के पूर्व मेयर अशु वर्मा की एक सोशल मीडिया पोस्ट राजनीतिक गलियारों में अलग तरह की चर्चा का विषय बन गई है। छोटी सी पोस्ट के जरिए उन्होंने ऐसा संदेश देने का प्रयास किया, जिसे संगठन और विचारधारा की राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

पूर्व मेयर अशु वर्मा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा कि ऐसा न हो कि बूथ पर पिटने वाले, जेल जाने वाले कार्यकर्ता पीछे रह जाएं और मौका परस्त लोग आगे आ जाएं, जिनका विचारधारा से कोई लेना-देना न हो। उनकी इस पोस्ट को केवल एक सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि भाजपा संगठन और कार्यकर्ता संस्कृति को लेकर एक गहरे राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

पूर्व मेयर अशु वर्मा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा कि ऐसा न हो कि बूथ पर पिटने वाले, जेल जाने वाले कार्यकर्ता पीछे रह जाएं।

दरअसल जिस वीडियो को उन्होंने साझा किया, उसमें पश्चिम बंगाल का एक भाजपा समर्थक अपने संघर्ष के दिनों को याद करता दिखाई देता है। बताया जा रहा है कि वर्ष 2019 के चुनावों के दौरान राजनीतिक हिंसा में उसके कपड़े तक फट गए थे, लेकिन उसने विचारधारा नहीं छोड़ी। अब जब बंगाल में भाजपा को सफलता मिली तो वही कार्यकर्ता उन्हीं फटे कपड़ों के साथ सामने आया। इस पूरे भाव को अशु वर्मा ने अपनी पोस्ट के जरिए उभारा।

राजनीतिक जानकार मान रहे हैं कि अशु वर्मा इस पोस्ट के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक ताकत वे कार्यकर्ता होते हैं जो कठिन दौर में भी संगठन के साथ खड़े रहते हैं। ऐसे में सत्ता और सफलता मिलने के बाद संघर्ष करने वाले पुराने कार्यकताओं की उपेक्षा न हो, इस भावना को उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से सामने रखा है।

पूर्व मेयर अशु वर्मा लंबे समय से स्वयं को विचारधारा आधारित राजनीति से जोड़कर रखते आए हैं। हाउस टैक्स जैसे स्थानीय मुद्दों पर खुलकर जनता के बीच उतरना हो या विवादित विषयों पर बेबाक राय रखना, वह अक्सर स्पष्ट राजनीतिक संदेश देते नजर आते हैं। यही वजह है कि उनकी यह पोस्ट केवल बंगाल तक सीमित नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे उत्तर प्रदेश और संगठनात्मक राजनीति के व्यापक संदर्भ में भी देखा जा रहा है।

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि अशु वर्मा की यह पोस्ट भाजपा के उन समर्पित कार्यकताओं के पक्ष में खड़ी दिखाई देती है, जिन्होंने संघर्ष के दौर में पार्टी के लिए काम किया और अब सत्ता के समय उनकी भूमिका और सम्मान को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

ट्रैफिक पर कमिश्नर का एक्शन प्लान लागू
500 वॉलंटियर्स की फोर्स, जाम और स्कूली बसों पर सख्त अभियान शुरू

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद की सड़कों पर जल्द ही ट्रैफिक व्यवस्था का नया और सख्त रूप नजर आएगा। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए ठोस और कड़े फैसले लिए गए।

बैठक में एडिशनल सीपी ट्रैफिक राजकरन नैय्यर, डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन, एडीसीपी वरुण कुमार सिंह, एसीपी ट्रैफिक रितेश त्रिपाठी सहित सभी ट्रैफिक अधिकारी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों को साफ निर्देश दिए गए कि ट्रैफिक मैनेजमेंट केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि सड़कों पर इसका असर दिखाई देना चाहिए।

पुलिस कमिश्नर ने सबसे अहम फैसला लेते हुए निर्देश दिए कि कमिश्नरेट क्षेत्र में 500 ट्रैफिक वॉलंटियर्स की फोर्स तैयार कर जल्द ही मैदान में उतारी जाए। यह फोर्स प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में तैनात होकर ट्रैफिक पुलिस का सहयोग करेगी और जाम की समस्या को कम करने में अहम भूमिका निभाएगी। शहर में ट्रैफिक जाम और अव्यवस्था पर लगाम लगाने के लिए अवैध पार्किंग और अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा। वहीं, सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूली बसों, ऑटो और अन्य सार्वजनिक परिवहन वाहनों की सघन जांच के निर्देश दिए गए हैं।

स्कूल बसों पर भी रहेगी खास नजर

करंट क्राइम : इस बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों की पहचान कर वहां सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएंगे, ताकि हादसों में कमी लाई जा सके। टेक्नोलॉजी के बेहतर उपयोग पर जोर देते हुए कैमरों, ट्रैफिक सिग्नल और अन्य आधुनिक संसाधनों के जरिए निगरानी को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही ट्रैफिक पुलिस के (पूर्व में ट्विटर) प्लेटफॉर्म पर रियल टाइम अपडेट, फोटो और एडवाइजरी जारी कर आम जनता को जागरूक करने पर विशेष बल दिया गया। पुलिस कमिश्नर ने यह भी निर्देशित किया कि किसी भी बड़े आयोजन, जुलूस या त्योहार से पहले ट्रैफिक एडवाइजरी अनिवार्य रूप से जारी की जाए, ताकि शहर की रफ्तार प्रभावित न हो।

आखिर पूर्व सीनियर पार्षद क्यों बजा रहे हैं भैंस के आगे बीन हाउस टैक्स को लेकर क्यों बन रहा है निगम वालों में एक रोचक सीन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विरोध का एक अंदाज होता है और एक रोचक अंदाज अब पूर्व सीनियर पार्षद राजेन्द्र त्यागी का सामने आया है। एक पोस्टर वायरल हुआ और इस पोस्टर में पूर्व सीनियर पार्षद राजेन्द्र त्यागी भैंस के आगे बीन बजा रहे हैं। पोस्टर में सबसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फोटो है। एक बिल्डिंग दिखाई गई है जिस पर नगर निगम गाजियाबाद लिखा है। बीन बजाते हुए पूर्व सीनियर पार्षद राजेन्द्र त्यागी करदाता के रूप में हैं।

इस पोस्टर में तीन बड़ी मांगे हैं और टैक्स को वापस लेने की बात है। इस रोचक पोस्टर को भाजपा के ही पूर्व पार्षद हिमांशु लव ने तैयार किया है। दैनिक करंट क्राइम ने भैंस के आगे बीन बजाते पूर्व सीनियर पार्षद राजेन्द्र त्यागी से बात की। करों को लेकर पूर्व की घोषणांए, वर्तमान सीन और अन्य विषयों पर राजेन्द्र त्यागी ने कहा कि हमने अपने पोस्टर में ये मांग उठाई है कि जब मुख्यमंत्री घोषणा कर चुके हैं तो उनकी घोषणा के बाद भी बढ़ा हुआ टैक्स क्यों वापस नहीं लिया गया।

पूर्व सीनियर पार्षद राजेन्द्र त्यागी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्वयं गोरखपुर से ये घोषणा की थी और गाजियाबाद नगर निगम की मेयर सुनीता दयाल ने सदन से लेकर प्रेस कार्फ्रेस तक स्पष्ट रूप से ये कहा कि पुरानी दरों पर ही टैक्स वसूला जायेगा। उन्होंने कहा कि जब घोषणा हो चुकी तो फिर कैलकुलेशन और फार्मूले क्यों बताये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी कैलकुलेशन बतायेंगे लेकिन मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि इस कैलकुलेशन का खामियाजा भाजपा को 2027 के इलैक्शन में भुगताना पड़ेगा। जब सीधे सीधे बात हो गई कि पुरानी दरों पर टैक्स वसूला जायेगा तो फिर नई नई स्कीम क्यों लाई जा रही है।

राजेन्द्र त्यागी ने कहा कि ये तो आवासीय दरों की बात हो रही है और कार्मिशियल टैक्स वाले कहां जायेगें, इसकी चिंता किसी को नहीं है। भैंस के आगे बीन बजाने की बात पर उन्होंने कहा कि बिल्कुल इस बीन को मैं ही बजा रहा हूं और सीन हाउस टैक्स की दरों को लेकर विरोध का रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हाउस टैक्स के मुद्दे पर विरोध का अंडर करंट चल रहा है और बेहतर होगा कि इस बात को विधानसभा चुनाव से पहले समझ लिया जाये।

उन्होंने कहा कि हम इस बात को उठा रहे हैं कि आदेशों की बात की जाये तो ये भी स्पष्ट होना चाहिए कि निगम के अधिकारी या उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के बीच कौन बड़ा है। नगर निगम आखिर जनता की आवाज कब सुनेगा। और एक बार फिर वही बात आ गई कि बढ़ा हुआ टैक्स तुरंत वापस लिया जाये। पोस्टर के साथ राजेन्द्र त्यागी सामने आये हैं और वो बढ़े हुए टैक्स के विरोध में हैं। सीन अब ये रहेगा कि आखिर बीन कब तक बजानी है। टैक्स की ये गुत्थी कब सुलझेगी।

रात को हुई क्राइम मीटिंग और दोपहर में हो गया लूट वाला सीन खुलासे में जुटीं क्राइम ब्रांच स्वॉट से लेकर थानों की क्राइम टीम

दिनदहाड़े कैश वैन लूट कांड से हिला सिस्टम
एडिशनल सीपी, डीसीपी, एसीपी व कई प्रभारी पहुंचे जांच में

गौरव शशि नारायण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में मंगलवार रात अपराध नियंत्रण को लेकर उच्चस्तरीय क्राइम मीटिंग हुई थी, जिसमें पुलिस कमिश्नर द्वारा अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। लेकिन महज कुछ घंटों बाद ही बुधवार दोपहर क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में हुई कैश वैन लूट की सनसनीखेज वारदात ने उन तमाम दावों की पोल खोल दी। दिनदहाड़े हथियारबंद बदमाशों ने जिस बेखौफ अंदाज में वारदात को अंजाम दिया, उसने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर जमीनी स्तर पर पुलिस की तैयारी और निगरानी कितनी प्रभावी है।

बलेनो से आए बदमाश, मोदीनगर तक ट्रेस ?

करंट क्राइम : सूत्रों के अनुसार, चार हथियारबंद बदमाश बलेनो कार में सवार होकर आए और कैश वैन को निशाना बनाते हुए लाखों की नकदी लूटकर फरार हो गए। पूरी वारदात इतनी तेजी और प्लानिंग से की गई कि मौके पर मौजूद लोग भी संभल नहीं पाए। घटना के बाद पुलिस ने आसपास के कैमरे खंगाले, जिसमें बदमाशों की गाड़ी मोदीनगर तक ट्रेस हो चुकी है। इसके बाद पुलिस ने पूरे रूट पर अलर्ट जारी कर दिया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी सिटी के नेतृत्व में कई टीमें गठित की गई हैं। क्राइम ब्रांच प्रभारी

अनिल राजपूत, सिहानी गेट थाना प्रभारी कुलदीप दीक्षित, कविनगर की क्राइम टीम के साथ-साथ सिटी और ग्रामीण जोन की स्वॉट को भी एक्टिव कर दिया गया है।

पुलिस के शीर्ष अधिकारियों का दावा है कि तकनीकी और सर्विलांस के आधार पर जल्द ही आरोपियों तक पहुंच बनाई जाएगी।

रेकी के बाद हुई वारदात, फुटेज में पुलिस को मिले फेस

करंट क्राइम : कैश वैन लूटकांड में एक बड़ा खुलासा सामने आया है। करंट क्राइम के बेहद विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों ने 4 मई को भी इलाके की रेकी कर ली थी। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने घटना स्थल और आसपास के मूवमेंट को बारीकी से समझने के बाद लूट की योजना बनाई थी। पुलिस को विभिन्न स्थानों से मिले सीसीटीवी फुटेज में संदिग्धों की गतिविधियां और चेहरे स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। जांच में सामने आया है कि बदमाश अलग-अलग एंगल से इलाके का जायजा ले रहे थे, जिससे उनकी पूरी प्लानिंग का संकेत मिलता है। सूत्रों की मानें तो पुलिस के हाथ कई अहम सुराग लगे हैं, जिनके आधार पर टीम तेजी से आरोपियों के करीब पहुंच रही है। तकनीकी सर्विलांस और फुटेज एनालिसिस के जरिए बदमाशों की पहचान लगभग तय मानी जा रही है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि इस सनसनीखेज लूट कांड में पुलिस जल्द ही बड़ा एक्शन ले सकती है।

क्या ढीली गश्त और सुस्त चेकिंग बनी वजह

करंट क्राइम : सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब रात में क्राइम कंट्रोल को लेकर बैठक हो चुकी थी, तो दिन में इतनी बड़ी वारदात कैसे हो गई? स्थानीय स्तर पर सामने आ रही जानकारी के मुताबिक, दोपहर के समय गर्मी के कारण कई इलाकों में पुलिस की सक्रियता कमजोर पड़ जाती है। न तो नियमित चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं और न ही प्रमुख मार्गों पर प्रभावी बैरिकेटिंग देखने को मिलती है। इसी ढिलाई का फायदा उठाकर बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। लंबे समय बाद हुई इस बड़ी लूट ने पुलिस कमिश्नरेट की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं पुलिस सूत्रों का यह भी कहना है कि कई थाना प्रभारी लंबे समय से एक ही थाने पर तैनात हैं और

फील्ड में उनकी सक्रियता कम हो गई है। ऐसे में अब महज बैठकों से काम नहीं चलेगा, बल्कि जमीनी स्तर पर सख्त कार्रवाई और जिम्मेदार अधिकारियों में बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही है। फिलहाल अब सबकी नजरें पुलिस के खुलासे पर टिकी हैं। अब देखना होगा कि गाजियाबाद पुलिस इस हाई-प्रोफाइल लूट कांड का खुलासा कितनी जल्दी करती है और क्या इस घटना के बाद पुलिसिंग के तौर-तरीकों में कोई बड़ा बदलाव देखने को मिलता है।

नगर आयुक्त के सख्त निर्देश, डॉग कैचिंग और स्टेरिलाइजेशन अभियान में लाएं तेजी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर निगम मुख्यालय में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने शहर में चल रहे एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर अभियान की समीक्षा करते हुए डॉग कैचिंग और स्टेरिलाइजेशन कार्य को और तेज करने के निर्देश दिए।

बैठक में अभियान की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई और वार्ड स्तर पर चल रही गतिविधियों का फीडबैक लिया गया। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम की टीमें लगातार वार्डों में अभियान चलाकर आवारा श्वानों को पकड़ने, उनका वैक्सीनेशन और स्टेरिलाइजेशन कर रही हैं। हालांकि कई स्थानों पर टीमों को स्थानीय स्तर

टीम को दिए गए आईडी कार्ड

पर सहयोग नहीं मिल पाने और विवाद की स्थिति उत्पन्न होने की शिकायतें सामने आई हैं। इसे देखते हुए सभी संबंधित कर्मचारियों को पहचान पत्र (आईडी कार्ड) उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि उनकी पहचान स्पष्ट हो और कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए।

बैठक में उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. अनुज और मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. आशीष त्रिपाठी भी मौजूद रहे। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान की मॉनिटरिंग को और मजबूत किया जाए तथा डॉग कैचिंग की जिम्मेदारी संभाल रही टीम फ्रेंडीकोज को काम में तेजी लाने के लिए प्रेरित किया जाए। नगर निगम द्वारा अब तक लगभग 48,000 से अधिक श्वानों का बंध्याकरण (स्टेरिलाइजेशन) किया जा चुका है। नगर आयुक्त ने शहरवासियों से अपील की कि वे इस अभियान में सहयोग करें। जिन टीमों के पास नगर निगम द्वारा जारी आईडी कार्ड हैं, उन्हें आरडब्ल्यूए पदाधिकारी और पार्षद सहयोग प्रदान करें।

उन्होंने यह भी बताया कि डॉग रजिस्ट्रेशन, स्टेरिलाइजेशन और वैक्सीनेशन के लिए टीमें घर-घर जाकर कार्य कर रही हैं। ऐसे में नागरिकों का सहयोग बेहद आवश्यक है, ताकि शहर में आवारा श्वानों की संख्या नियंत्रित की जा सके और जनसुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बैठक में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार भी उपस्थित रहे।

10 मई को पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा करेंगे शक्ति प्रदर्शन 25 हजार की भीड़ का दिखेगा जलवा और मनायेंगे परशुराम जन्मोत्सव

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीतिक व्यक्ति हमेशा भीड़ से जुड़कर चलते हैं। जो राजनीति कर रहा है और जिसका राजनीति में कद

सांकेतिक चित्र

है उसके पास भीड़ जुटाने की क्षमता बेहद होनी चाहिए। ये राजनीति का अनिवार्य नियम है।

राजनीति में पार्टी के नाम पर कोई भी भीड़ जुटा सकता है। लेकिन जब बारी खुद के दम पर भीड़ जुटाने की आती है तो फिर गिने चुने चेहरे हैं जो इस परीक्षा में पास होते हैं। पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा राजनीति के उन चेहरों में है जो अपने दम पर भीड़ जुटाने की क्षमता रखते हैं बड़ी जनसभा कराने की क्षमता रखते हैं।

एक बार फिर पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा अपनी ताकत का जलवा साहिबाबाद विधानसभा में दिखाने जा रहे हैं।

अमरपाल शर्मा देश की इस सबसे बड़ी विधानसभा के सबसे पहले विधायक रहे हैं। वो यहां टीआरपी वाले नेता माने जाते हैं और वो 10 मई को अपनी ताकत का जलवा दिखायेंगे। 10 मई को वसुंधरा में परशुराम जन्मोत्सव का आयोजन होगा। 10 मई को वसुंधरा में होने वाला ये आयोजन पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा की सियासी ताकत का प्रदर्शन माना जा रहा है। बताया जाता है कि वसुंधरा सेक्टर 7, 8 के मैदान में होने वाला ये आयोजन एक बड़ा आयोजन है। सूत्र बताते हैं कि इस आयोजन को भगवान श्रीपरशुराम जन्मोत्सव का नाम दिया गया है। 10 मई को ये आयोजन होगा और लगभग 25 हजार की भीड़ इस आयोजन में दिखाई देगी। जाहिर है कि आयोजन के नाम से ही ये स्पष्ट है कि पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा यहां अपनी उस ताकत को दिखायेंगे जिसे बिरादरी की ताकत कहा जाता है जिसे समाज की ताकत कहा जाता है। यहां पता चलेगा कि उनका ब्राह्मण समाज कितना उनके साथ है। विशाल स्तर पर तैयारियां हो रही है विशाल टेंट लगाया गया है। पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा के इस आयोजन को विधानसभा चुनाव 2027 से जोड़कर देखा जा रहा है। अमरपाल शर्मा एक लंबे समय के बाद इस बड़े आयोजन को करने जा रहे हैं और 10 मई को ताकत का ये मुलाहिजा वसुंधरा के मैदान पर होगा।

सियासत की पिच के ऑल राउंडर खिलाड़ी हैं अमरपाल शर्मा

करंट क्राइम। सियासत की बात करें तो पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा यहां ऑलराउंडर खिलाड़ी है। वो कई चुनाव लड़ चुके हैं वो दल के बल पर भी चुनाव लड़ चुके हैं और निर्दलीय भी चुनाव लड़े हैं। जुझारू तेवरों के साथ राजनीति करते हैं। देश की सबसे बड़ी विधानसभा के पहले विधायक हैं। बड़ी बात ये है कि उन्होंने भगवा लहर के बीच खोड़ा जैसी नगर पालिका सीट पर अपनी पत्नी मोहिनी शर्मा को अध्यक्ष का चुनाव जिताकर अपनी ताकत को साबित किया है। यहां उनकी पत्नी मोहिनी शर्मा निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में आईं और यहां अमरपाल शर्मा की चुनावी रणनीति, उनकी टीआरपी, उनकी ताकत का रंग दिखाई दिया। खुद अमरपाल शर्मा बागपत लोकसभा सीट पर चुनाव लड़े और कम समय मिला लेकिन मजबूती के साथ उन्होंने अपनी ताकत दिखाई। राजनीतिक व्यक्तित्व हैं और चुनाव से ठीक पहले जब ये आयोजन हो रहा है तो वसुंधरा के मैदान पर ये एक ऐलान है।

एसआईआर अभियान के बाद कितना फिल्टर हो गया है अमर वोट बैंक

करंट क्राइम। अमरपाल शर्मा राजनीतिक रूप से जुझारू व्यक्तित्व हैं। उनकी कार्यशैली बताती है कि वो खुद को किस तरह से सेफ रखकर सियासत का बेस बनाकर चलते हैं। विरोधी के लिए कोई मौका नहीं छोड़ते। अब जब एसआईआर अभियान के बाद ये आयोजन हो रहा है तो यहां एक चर्चा है कि ये विधानसभा चुनाव 2027 का बिगुल है। एसआईआर अभियान में एक बड़ी संख्या में ऐसा वोट साफ हो गया है और राजनीतिक रूप से जागरूक चेहरों ने अपनी वोटों को वोटर लिस्ट पर आक्सीजन दी है। फिल्टर के बाद पता चलेगा कि सियासत यहां किसे सपोर्ट करेगी। फिलहाल बिरादरी वाले आयोजन के साथ चुनावी बिगुल बजेगा और अब यहां सियासत और अधिक रोचक हो जायेगी।

संपादकीय

महिलाओं को कम टिकट

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी में हुए चुनाव के दौरान कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव हुए। उनमें जीत हासिल करने वाली महिलाओं का अनुपात बेहद कम रहा। देश की सभी पार्टियां राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का एक मत से समर्थन करती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किए जाने के लिए तैंतीस फीसद आरक्षण का विधेयक पारित कराने में भी सभी दलों की भूमिका रही। आखिर क्या वजह है कि देश में लोकसभा या फिर विधानसभा के लिए जब भी चुनाव होते हैं, तो उसमें पर्याप्त संख्या में महिलाओं को टिकट देने को लेकर ईमानदार इच्छाशक्ति का अभाव दिखता है? गौरतलब है कि चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में सभी पार्टियों की ओर से जितनी महिलाओं को टिकट दिया गया और उनमें जीतने वालों की जो संख्या रही, वह महिला भागीदारी के सवाल पर राजनीतिक दलों के प्रचारित सरोकार के प्रति ईमानदारी को कठघरे में खड़ा करती है। दरअसल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी में हुए चुनाव के दौरान कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव हुए। उनमें जीत हासिल करने वाली महिलाओं का अनुपात बेहद कम रहा। नतीजों के मुताबिक, इन पांचों प्रदेशों में कुल पांच फीसद सीटों पर ही महिलाएं चुनी गईं। इन राज्यों में अलग-अलग पार्टियों ने महिलाओं को टिकट देने में भी अपने घोषित सरोकारों के उलट रवैया अपनाया। मसलन, पश्चिम बंगाल में दो सौ सात सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सामने आने वाली भाजपा ने सभी 294 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे, लेकिन उसने सिर्फ तैंतीस सीटों पर महिलाओं को मौका दिया था। जबकि तृणमूल कांग्रेस ने अपनी उम्मीदवारी के 291 सीटों में से 52 महिलाओं को टिकट दिया था। नतीजतन, राज्य की कुल सीटों में से सिर्फ दस फीसद महिलाएं जीत सकीं। दूसरी ओर, तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा बदलाव हुआ, जहां सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी टीवीके 234 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन उसने सिर्फ चौबीस महिलाओं को उम्मीदवार बनाया था। असम में फिर से जीतने वाली भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने 126 सीटों में से केवल छह महिलाओं को टिकट दिया। केरल में जीत हासिल करने वाली यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को मौका दिया। जाहिर है, तकरीबन सभी पार्टियों ने महिलाओं को उम्मीदवार बनाने में कोई खास उत्साह नहीं दिखाया। हालांकि हाल ही में संसद में परिसीमन विधेयक पारित न होने के संदर्भ में महिला आरक्षण का सवाल चुनावी राजनीति का भी मुद्दा बना और भाजपा की ओर से इस मसले पर विपक्षी दलों पर सवाल उठाए गए। विडंबना यह है कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के घोषित दावों के बरक्स टिकट देने के मामले में भाजपा सहित सभी पार्टियों के भीतर इच्छाशक्ति की कमी दिखती है।

8वें वेतन आयोग से कर्मचारियों को बड़ी उम्मीद

न्यूनतम वेतन 65 हजार करने की मांग, फिटमेंट फैक्टर 3.8 करने का प्रस्ताव

पुरानी पेंशन योजना लागू करने पर जोर

नई दिल्ली। केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन और भविष्य के पेंशन ढांचे को लेकर एक अहम घटनाक्रम सामने आया है। मंगलवार, 5 मई 2026 को पुणे में महाराष्ट्र ओल्ड पेंशन ऑर्गेनाइजेशन के प्रतिनिधियों ने 8वें वेतन आयोग की अध्यक्ष रंजना प्रकाश देसाई और आयोग के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्रीय कर्मचारियों के लिए न्यूनतम मूल वेतन 65,000 रुपये और फिटमेंट फैक्टर को 3.8 करने जैसी प्रमुख और दूरगामी मांगें रखी गई हैं।

बैठक का मुख्य एजेंडा और विश्लेषण : महाराष्ट्र पेंशन संगठन के आईटी सेल के प्रमुख विनायक चौथे के अनुसार, वेतन आयोग के साथ यह बैठक लगभग आधे घंटे तक चली। इस दौरान कर्मचारियों के वेतन, पेंशन, भत्ते, करियर में उन्नति और कार्यस्थल की स्थितियों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। संगठन द्वारा आयोग के समक्ष 10 सूत्रीय प्रमुख मांगें रखी गई हैं, जो आर्थिक आंकड़ों पर आधारित हैं: न्यूनतम वेतन में बड़ा इजाफा: वर्तमान एंट्री-लेवल मूल वेतन 18,000 रुपये को बढ़ाकर 65,000 रुपये करने की मांग की गई है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यह मांग एक्रोयड फॉमूर्ला और परिवार की यथार्थवादी जरूरतों पर आधारित है।

फिटमेंट फैक्टर 3.8 करने का प्रस्ताव: 7वें वेतन आयोग के तहत लागू 2.57 फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाकर 3.8 करने का प्रस्ताव रखा गया है। संगठन का तर्क है कि राजकोषीय संतुलन बनाए रखते हुए सार्थक वेतन संशोधन के लिए यह दर आवश्यक है। परिवार की परिभाषा में बदलाव: न्यूनतम वेतन तय करते समय परिवार के सदस्यों की गणना को वर्तमान 3 से बढ़ाकर 5 (कर्मचारी: 1, जीवनसाथी: 1, दो बच्चे: 1, माता-पिता: 2) करने की मांग की गई है, ताकि बुनियादी जरूरतों का यथार्थवादी आकलन हो सके। हर संशोधन पर कम से कम 4% की वृद्धि सुनिश्चित करने और 50% तक पहुंचने पर इसे मूल वेतन में स्वत: मिलाने की मांग की गई है। इसके साथ ही, लफ्ब्अ को उ्अ से अलग कर , और श्रेणी के शहरों के लिए क्रमश: 12%, 24% और 36% करने का सुझाव दिया गया है।

भत्तों में वृद्धि: परिवहन लागत में उछाल को देखते हुए यात्रा भत्ते को 2.5 गुना बढ़ाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा आदिवासी, पेसा और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए हार्ड एरिया भत्ते में भी भारी वृद्धि की मांग की गई है।

वेतन वृद्धि और करियर: वार्षिक वेतन वृद्धि को 3% से बढ़ाकर 5% करने और संशोधित मूल वेतन को अगले 1,000 रुपये तक राउंड ऑफ करने का आग्रह किया गया है। शिक्षकों के लिए मौजूदा 12-24-26 के बजाय 10-20-30 करियर प्रोग्रेशन स्कीम लागू करने की मांग भी शामिल है।

पेंशन सुधार : देश भर में ठढर के तहत आने वाले लगभग 85 लाख कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ठढर) लागू करने की सबसे बड़ी मांग रखी गई है। ठढर के लिए न्यूनतम 10% रिटर्न की गारंटी और नियोक्ता का योगदान 18.5% करने का सुझाव दिया गया है।

इसके अलावा, अतिरिक्त पेंशन की शुरूआत आयु 80 वर्ष से घटाकर 75 वर्ष (75 वर्ष में 20% की वृद्धि) करने की मांग है। महाराष्ट्र पेंशन संगठन द्वारा 8वें वेतन आयोग को सौंपे गए ये प्रस्ताव कर्मचारियों की बदलती आर्थिक जरूरतों, बढ़ती मुद्रास्फीति और चिकित्सा खर्चों के प्रभाव को दशार्ते हैं।

शेयर बाजार में खरीदारी, सेंसेक्स 941 अंक चढ़ा, निफ्टी 24300 के पार पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजारों ने बुधवार के कारोबारी सत्र में शानदार बढ़त दर्ज की है। मजबूत वैश्विक संकेतों और निवेशकों की सकारात्मक धारणा के दम पर प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में बंद हुए। बाजार में यह उछाल एशियाई बाजारों के सकारात्मक रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट के बीच देखने को मिला है। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार के दिन हरे निशान पर कारोबार का समापन हुआ। दिन के सत्र के बाद सेंसेक्स 940.73 अंक बढ़कर 77,958.52 पर बंद हुआ। निफ्टी 298.15 अंक बढ़कर 24,330.95 पर पहुंच गया। डॉलर के मुकाबले रुपया 56 पैसे बढ़कर 94.62 (अस्थायी) पर बंद हुआ। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका की ओर से ईरान संकट पर नरम रुख जाहिर करने के बाद निवेशकों के बीच सकारात्मक माहौल दिखा।

कच्चे तेल में भारी गिरावट, सोने में चमक

शेयर बाजार की इस तेजी के बीच कमोडिटी मार्केट में बड़े बदलाव दर्ज किए गए हैं। कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई, जो भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए एक बेहद सकारात्मक संकेत है :

कच्चा तेल: ब्रेंट क्रूड 8.88 डॉलर (8.08 प्रतिशत) की भारी गिरावट के साथ 101.01 डॉलर पर आ गया। वहीं, क्रूड ऑयल 9.69 डॉलर (9 प्रतिशत) टूटकर 92.59 डॉलर पर सेटल हुआ।

सोना: सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने से सोने की कीमतों में 144.17 डॉलर (3.13 प्रतिशत) की मजबूत उछाल आई और यह 4,698.15 डॉलर पर पहुंच गया।

महाराष्ट्र सरकार के कर्मचारियों के लिए संशोधित एनपीएस वैकल्पिक

आज से बंद रहेंगे मुंबई हवाई अड्डे के दो रनवे

मानसून के मौसम से पहले किए जाने वाले रखरखाव कार्य के तहत मुंबई हवाई अड्डे के दो रनवे 7 मई को छह घंटे के लिए बंद रहेंगे। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (उरटक्अ) ने कल सुबह 11 :00 बजे से शाम 5 :00 बजे के बीच वार्षिक मानसून-पूर्व रनवे रखरखाव कार्य निर्धारित किया है। हवाई अड्डे ने एक बयान में कहा कि इस दौरान प्राथमिक रनवे 09/27 और द्वितीयक रनवे 14/32 दोनों अस्थायी रूप से बंद रहेंगे।

नई दिल्ली। मुंबई महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को राज्य के वित्त विभाग द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार, मौजूदा राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों के लिए अपनी संशोधित राष्ट्रीय पेंशन योजना को वैकल्पिक बना दिया है। इस परिपत्र में उन सरकारी कर्मचारियों के लिए संशोधित राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के कार्यान्वयन के संबंध में एक विस्तृत प्रक्रिया निर्धारित की गई है जो इसे चुनने का विकल्प चुनते हैं, और यह स्पष्ट किया गया है कि यह योजना केवल उन्हीं लोगों पर लागू होगी जो निर्धारित समय सीमा के भीतर विकल्प का प्रयोग करते हैं।

सरकार ने इससे पहले पात्र और इच्छुक कर्मचारियों को 31 दिसंबर, 2026 तक संशोधित योजना में शामिल होने का विकल्प प्रस्तुत करने की अनुमति दी थी। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने कुछ साल पहले केंद्र की एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) की तर्ज पर राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए संशोधित एनपीएस को लागू करने को मंजूरी दी थी। सरकार की वेबसाइट पर अपलोड किए गए नए परिपत्र के अनुसार, निर्धारित आयु में 20 वर्ष या उससे अधिक की सेवा के बाद सेवानिवृत्त होने वाले और संशोधित योजना का विकल्प चुनने वाले कर्मचारी अपने अंतिम वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन के साथ-साथ महंगाई भत्ता पाने के हकदार होंगे।

इसमें कहा गया है कि जिन लोगों की सेवा अवधि 10 से 20 वर्ष के बीच है, उनकी पेंशन अंतिम वेतन के आधार पर सेवा अवधि के अनुपात में होगी। सरकार ने संशोधित योजना के तहत कम से कम 10 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लिए न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपये प्रति माह निर्धारित की है।

घरेलू मांग से सर्विस सेक्टर को मजबूती, अप्रैल में पीएमआई बढ़कर पांच महीने के उच्च स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। भारत के सेवा क्षेत्र में अप्रैल 2026 के दौरान मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई है। घरेलू मांग में तेजी, नए ऑर्डर और कारोबारी गतिविधियों में सुधार के चलते देश का सर्विस सेक्टर पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

एचएसबीसी की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सर्विस (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) अप्रैल में बढ़कर 58.8 हो गया, जबकि मार्च में यह 57.5 था। यह पिछले नवंबर के बाद सबसे तेज विस्तार दर मानी जा रही है।

पीएमआई के आंकड़ों का मतलब

पीएमआई में 50 से ऊपर का आंकड़ा आर्थिक गतिविधियों में विस्तार का संकेत देता है, जबकि 50 से नीचे का स्तर गिरावट को दशार्ता है। ऐसे में 58.8 का स्तर यह बताता है कि देश का सेवा क्षेत्र मजबूत गति से आगे बढ़ रहा है।

किन क्षेत्रों में बढ़ी मांग?

सर्वे के मुताबिक, प्रतिस्पर्धी कीमतों, ई-कॉमर्स गतिविधियों और लॉजिस्टिक्स व रिलोकेशन सेवाओं की बढ़ती मांग ने कारोबार को मजबूती दी। कंपनियों ने बताया कि घरेलू ग्राहकों की मांग लगातार मजबूत बनी हुई है, जिससे नए ऑर्डर और आउटपुट दोनों में तेजी आई।

चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था में मांग का रुख विदेशी बाजारों से घरेलू उपभोक्ताओं की ओर शिफ्ट होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि अप्रैल में सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला, हालांकि नए निर्यात ऑर्डर की गति धीमी हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशिया में युद्ध और विदेशी पर्यटकों की कम आमद के कारण भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग कमजोर पड़ी है। इससे निर्यात आधारित सेवाओं के विस्तार पर असर देखा गया।

वहीं, कंपनियों की लागत में भी लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई।

रोचक तथ्यों का करंट

- दुनिया में कोई भी नीले रंग का फल नहीं है, यहां तक कि ब्लूबेरिज भी पर्पल यानी कि बैगनी रंग की होती है।
- दुनिया में 11 प्रतिशत लोग बाएं हाथ का इस्तेमाल करते हैं।
- छिपकली का दिल 1 मिनट में 1000 बार धड़कता है।
- India और Vietnam दोनों देशों के राष्ट्रीय फूल कमल हैं।
- हाथी एकमात्र ऐसा स्थान पाई जीव है जो कूद नहीं सकता है।
- एक दिन में आप इतनी बार पलके झपकाते हैं कि वह आधे घंटे की आंखें बंद होने के बराबर होता है।
- अभी भी जमीन के अंदर इतना सोना है कि इस धरती के सभी लोगों में बराबर बराबर बांटा जाये तो सभी के हिस्से में 4 किलो सोना आ सकता है।
- भारत एकमात्र देश हैं जिसके प्रत्येक product पर MRP rate लिखा रहता हैं।
- अंगुलियों की छाप की तरह जिब की छवि सबकी अलग-अलग होती है।
- इंसान की जीभ का घाव सबसे अधिक तेजी से ठीक होता है।
- चार्ज होते हुए मोबाइल का इस्तेमाल करने से उसकी बैटरी खराब हो सकती है।

अमेरिका-ईरान तनाव से रुपये पर दबाव

नई दिल्ली। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका-ईरान संघर्ष और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण भारतीय रुपया 2026 के अंत तक डॉलर के मुकाबले करीब 95 रुपये के स्तर पर रह सकता है।

फिलहाल रुपया 95.20 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा है। अमेरिका-ईरान तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय रुपये पर दबाव बना रहने की आशंका जताई गई है। फिच समूह की कंपनी इटकने बुधवार को जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि 2026 के अंत तक रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगभग 95 रुपये के स्तर पर बना रह सकता है। फिलहाल भारतीय मुद्रा 95.20 रुपये प्रति डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है।

राशिफल

मेष: पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार का विस्तार होगा। आय में वृद्धि होगी, परन्तु भागदौड़ अधिक रहेगी। किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है।

वृष: मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार का विस्तार होगा। भागदौड़ अधिक रहेगी।

मिथुन: मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं।

कर्क: वाणी में सौम्यता रहेगी। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। भवन के रखरखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

सिंह: नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं।

कन्या: आत्मविश्वास में कमी रहेगी। आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। व्यस्तता बढ़ेगी।

तुला: मित्रों का सहयोग मिलेगा। क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा के मनोभाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक: कारोबार में भाई-बहनों का साथ मिल सकता है। बातचीत में सन्तुलित रहें। आय में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी।

धनु: आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

मकर: मन में निराशा एवं असन्तोष हो सकता है। संयत रहें। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। यात्रा के दौरान स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ: आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र बढ़ सकता है।

मीन: सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी। माता-पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

चुटकुले

बाप- अगर तुम इस बार भी फेल हो गए तो मुझे पापा मत कहना....
कुछ दिन बाद...
बाप- तुम्हारे रिजल्ट का क्या रहा चिंटू...
चिंटू- दिमाग खराब मत करो हरीशचंद्र...तुम अपने बाप होने का हक खो चुके हो.
दे जूते.....दे चप्पल.....दे जूते।

महिला - बाबा, मेरे और मेरे पति के बीच प्रेम कम हो गया है.
कोई उपाय बताओ.
बाबा - बेटा, शनिवार को फेसबुक और रविवार को व्हाटसएप का उपवास रखो।

पत्नी- जरा किचन से आलू लेते आना.
पति- यहां तो कहीं आलू दिख नहीं रहे हैं.
पत्नी- तुम तो हो ही अंधे, कामचोर हो, एक काम ढंग से नहीं कर सकते,
मुझे पता था कि तुम्हें नहीं मिलेंगे, इसलिए मैं पहले ही ले आई थी!
अब आदमी की कोई गलती हो तो बताओ।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

ग्रैंडस्लैम की पुरस्कार राशि को लेकर बवाल पर क्या बोले खिलाड़ी? सबालेंका-स्वियातेक ने कही यह बात

नई दिल्ली। दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने मंगलवार को कहा कि ग्रैंड स्लैम टूनार्मेंट की पुरस्कार राशि में ज्यादा हिस्सा पाने के खिलाड़ी हकदार हैं। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने कहा कि ज्यादा हिस्से के लिए टूनार्मेंट का बहिष्कार करने को भी तैयार हैं।

एरिना सबालेंका ने इटैलियन ओपन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है कि शो हमारी तरफ से है। हमारे बिना कोई टूनार्मेंट नहीं होता। वह एंटरटेनमेंट नहीं है। हम निश्चित रूप से अधिक राशि पाने के हकदार हैं। मुझे लगता है कि किसी समय हम बहिष्कार करेंगे। अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका है।' उन्होंने कहा, 'हम लड़कियां आसानी से एक साथ आ सकती हैं और इसके लिए जा सकती हैं। मुझे लगता है कि कुछ चीजें खिलाड़ियों के साथ बहुत गलत हैं। किसी समय यह अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच जाएगा। पिछले साल लगभग सभी बड़े खिलाड़ियों ने चार ग्रैंड स्लैम बॉस को दो पत्र साइन किए थे। इसमें

पुरस्कार राशि बढ़ाने, संन्यास, और मातृत्व के अवसर पर सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए खिलाड़ियों के कल्याण के लिए भुगतान करने की मांग की गई थी। पत्र में टूनार्मेंट राजस्व में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था, जिससे मेजर टूनार्मेंट एटीपी मेन्स टूर और विमेंस डब्ल्यूटीए टूर द्वारा चलाए जाने वाले नौ संयुक्त 1000-लेवल इवेंट्स के बराबर आ जाएंगे।'

महिला एकल में चार बार की फ्रेंच ओपन की विजेता पोलैंड की इगा स्वियातेक ने कहा, 'टूनार्मेंट के बहिष्कार का निर्णय थोड़ा ज्यादा हो जाएग। सच कहूं तो सबसे जरूरी बात गवर्निंग बॉडीज के साथ सही संवाद और चर्चा है। हमारे पास अपनी बात रखने की जगह होनी चाहिए। उम्मीद है कि फ्रेंच ओपन से पहले इस तरह की बैठक करने का मौका मिलेगा और हम देखेंगे कि उसमें क्या होता है।'

खिलाड़ियों ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा था कि फ्रेंच ओपन द्वारा पुरस्कार राशि में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा काफी नहीं है। पिछले साल फ्रेंच ओपन की कमाई 395 मिलियन यूरो थी, जो उसके पहले के वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है। कुल पर्स में सिर्फ 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। खिलाड़ियों का राजस्व हिस्सा घटकर 14.3 प्रतिशत रह गया है। अनुमान के मुताबिक इस साल फ्रेंच ओपन का राजस्व 400 मिलियन यूरो से ज्यादा हो जाएगा। इसी वजह से खिलाड़ी अपनी राशि को बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। एरिना ने फ्रेंच ओपन 2026 की शुरूआत से पहले अपनी मांग रखकर आयोजकों को निश्चित रूप से पुरस्कार राशि पर पुनर्विचार करने का दबाव बढ़ा दिया है। फ्रेंच ओपन 2026 का 18 मई से सात जून 2026 तक खेला जाना है।

इतिहास रचने से एक कदम दूर आर्सेनल

चैंपियंस लीग फाइनल में 20 साल बाद मिली एंट्री

खेल के 45वें मिनट में लिएंड्रो ट्रोसार्ड के शॉट को जान ओब्लाक ने बचा लिया, जिसके बाद साका ने रिबाउंड पर गोल दागकर आर्सेनल को सेमीफाइनल में कुल मिलाकर 2-1 की बढ़त दिला दी।

बुडापेस्ट। बुकायो साका के पहले हाफ के आखिर में किए गए गोल की मदद से आर्सेनल ने मंगलवार को एटलेटिको मैड्रिड को सेमीफाइनल के दूसरे चरण में 1-0 से हराकर 20 साल में पहली बार चैंपियंस लीग फुटबाल टूनार्मेंट के फाइनल में जगह बनाई। खेल के 45वें मिनट में लिएंड्रो ट्रोसार्ड के शॉट को जान ओब्लाक ने बचा लिया, जिसके बाद साका ने रिबाउंड पर गोल दागकर आर्सेनल को सेमीफाइनल में कुल मिलाकर 2-1 की बढ़त दिला दी।

सेमीफाइनल का पहला चरण 1-1 से बराबर रहा था। बढ़त हासिल करने के बाद आर्सेनल की रक्षापंक्ति ने उसे बरकरार रखने में अहम भूमिका निभाई। आर्सेनल ने अब तक तीनों नॉकआउट राउंड में अपने घरेलू मैदान पर एक भी गोल नहीं खाया है। टीम ने लीग चरण में अपने सभी आठ मैच जीतकर प्रतियोगिता में सबसे कम चार गोल खाए थे। यूरोप की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता में आर्सेनल का यह केवल दूसरा फाइनल होगा। इससे पहले वह 2006 में फाइनल में पहुंचा था लेकिन तब बार्सिलोना से हार गया था।

इस बार फाइनल में उसका सामना 30 मई को हंगरी के बुडापेस्ट में मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) या बायर्न म्यूनिख से होगा। पीएसजी ने सेमीफाइनल के पहले चरण में 5-4 से जीत हासिल की थी।

आर्सेनल के लिए यह सत्र विशेष हो सकता है क्योंकि वह चैंपियंस लीग का चैंपियन बनने की बेहद करीब है। इसके अलावा वह प्रीमियर लीग में खिताब जीतने की दौड़ में सबसे आगे है।

प्लेऑफ की उम्मीदों के लिए भिड़ेगी बेंगलुरु, सम्मान बचाने उतरेगी लखनऊ

नई दिल्ली। पिछले मैच में बल्लेबाजों के नहीं चल पाने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तालिका में शीर्ष पर जगह मनाने का मौका गंवाने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम गुरुवार को यहांसबसे निचले पायदान पर काबिज लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ बल्लेबाजी में अपनी लय फिर से हासिल करके प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को मजबूत करने की कोशिश करेगी। आरसीबी फिलहाल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है, लेकिन उसके चार अन्य टीमों के समान 12 अंक हैं।

उसकी टीम को अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स से चार विकेट से मिली हार को भूलकर जल्द से जल्द वापसी करनी होगी। गुजरात के खिलाफ उस मैच में आरसीबी की बल्लेबाजी नाटकीय रूप से धराशायी हो गई थी। एक समय उसका स्कोर दो विकेट पर 79 रन था जो जल्द ही छह विकेट पर 96 रन हो गया और आखिर में उसकी टीम 155 रन पर आउट हो गई। आरसीबी के बल्लेबाज भले ही इस मैच में लड़खड़ा गए थे लेकिन वह दमदार वापसी करने में सक्षम हैं। उसके बल्लेबाजों ने अब तक आक्रामक खेल दिखाया है और लखनऊ के खिलाफ भी वह इसे जारी रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने शानदार फॉर्म दिखाते हुए 379 रन बनाए हैं, वहीं देवदत्त पडिक्कल और कप्तान रजत पाटीदार ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नियमित सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट के उंगली में चोट के कारण बाहर होने से कोहली के साथ विस्फोटक शुरूआत देने की जिम्मेदारी जैकब बेथेल पर होगी। आरसीबी की टीम को एक सप्ताह के विश्राम का मौका मिला है और उसकी टीम इस मैच में अपने प्रतिद्वंद्वी की तुलना में अधिक तरोताजा होकर उतरेगी। जहां तक एलएसजी का सवाल है तो उसका प्रदर्शन अभी तक निराशाजनक रहा है। वह पिछले छह मैचों में हार झेलने के कारण अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। इस बीच उसे कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ टाई रहे मैच में सुपर ओवर में भी हार का सामना करना पड़ा था।

उसे पिछले मैच में मुंबई इंडियंस ने छह विकेट से करारी शिकस्त दी थी। एलएसजी का अभियान लगातार खराब प्रदर्शन, रणनीतिक अस्थिरता और मैचों का सकारात्मक अंत नहीं कर पाने के कारण कारण बिखर गया है। मिचेल मार्श, कप्तान ऋषभ पंत, एडन मार्क्रम और निकोलस पूरन जैसे प्रमुख बल्लेबाज अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए हैं। इसके अलावा बल्लेबाजी क्रम में बार-बार फेरबदल ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। पंत के सीमित ओवरों की क्रिकेट में प्रदर्शन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में एलएसजी के बल्लेबाजों के लिए अनुभवी भुवनेश्वर कुमार और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की अगुवाई वाले आरसीबी के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना आसान नहीं होगा। भुवनेश्वर और हेजलवुड की जोड़ी बेहद प्रभावी साबित हुई है।

उनके शानदार प्रदर्शन से आरसीबी ने 27 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स को मात्र 75 रन पर ढेर कर दिया था। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर विकेट लेने में किसी तरह की कोताही नहीं बरत रहे हैं जबकि हेजलवुड ने लगातार प्रभावशाली गेंदबाजी की है। क्रुणाल पंड्या ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए नौ विकेट लिए हैं। पिछले मैच में सुयश शर्मा और रोमारियो शेफर्ड ने भी अच्छा प्रदर्शन किया।

सेना के निशानेबाज गंगा सिंह ने सुरेंद्र सिंह चैंपियनशिप में दिखाया दम, स्वर्ण पर किया कब्जा

नई दिल्ली। सेना के निशानेबाज गंगा सिंह ने मंगलवार को 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता जबकि हरियाणा के कमलजीत चौधरी और सुरभि राव ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का खिताब अपने नाम किया। गंगा सिंह ने फाइनल में 357.8 का स्कोर किया और पोडियम पर शीर्ष पर रहे।

उन्होंने रेलवे के अर्जुन बबूता को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 356.9 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। स्वप्निल कुसाले ने 343.7 के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। हरियाणा के कमलजीत और सुरभि ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में क्वालीफिकेशन में 576 का स्कोर करके शीर्ष स्थान हासिल किया और फिर फाइनल में 476.6 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक पक्का किया।

खेल मंत्रालय का बड़ा फैसला : पाकिस्तान से द्विपक्षीय सीरीज पर प्रतिबंध

मंत्रालय ने कहा कि एक-दूसरे के देश में होने वाले द्विपक्षीय खेल आयोजनों के संबंध में, भारतीय टीमें पाकिस्तान में होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेंगी। न ही हम पाकिस्तानी टीमों को भारत में खेलने की अनुमति देंगे।

नई दिल्ली। भारत के खेल मंत्रालय ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल आयोजनों पर प्रतिबंध जारी रखा है, लेकिन बहुराष्ट्रीय आयोजनों को इससे छूट दी है। मंत्रालय ने खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों, तकनीकी कर्मियों और अंतर्राष्ट्रीय खेल शासी निकायों के पदाधिकारियों के लिए वीजा प्रक्रिया को सरल बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया है, क्योंकि भारत खुद को एक पसंदीदा खेल गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करता है।

मंत्रालय ने कहा कि एक-दूसरे के देश में होने वाले द्विपक्षीय खेल आयोजनों के संबंध में, भारतीय टीमें पाकिस्तान में होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेंगी। न ही हम पाकिस्तानी टीमों को भारत में खेलने की अनुमति देंगे। मंत्रालय ने सभी राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ), भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) को जारी एक परिपत्र में यह बात कही। इस बीच, मंत्रालय ने कहा कि वह बहुराष्ट्रीय आयोजनों के लिए अंतरराष्ट्रीय निकायों की नीतियों का पालन करेगा। इसमें आगे कहा गया है कि भारत या विदेश में होने वाले अंतरराष्ट्रीय और बहुपक्षीय आयोजनों के संबंध में, हम अंतरराष्ट्रीय खेल निकायों की कार्यप्रणालियों और अपने खिलाड़ियों के हितों का ध्यान रखते हैं। मंत्रालय ने आगे कहा कि तदनुसार, भारतीय टीमें और व्यक्तिगत खिलाड़ी उन अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेंगे जिनमें पाकिस्तान की टीमें या खिलाड़ी भी शामिल हैं। इसी प्रकार, पाकिस्तानी खिलाड़ी और टीमें भारत द्वारा आयोजित ऐसे बहुपक्षीय आयोजनों में भाग ले सकेंगी। उनकी नीति की घोषणा सबसे पहले 2025 एशिया कप से पहले की गई थी, जिसकी मेजबानी संयुक्त अरब अमीरात ने की थी और भारत आधिकारिक मेजबान था। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के कारण, मंत्रालय ने पुष्टि की कि द्विपक्षीय संबंध भले ही कायम न रहें, लेकिन भारत को अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दिशानिर्देशों का पालन करना होगा। भारत अहमदाबाद में राष्ट्रमंडल खेलों 2030 की मेजबानी करने जा रहा है और साथ ही ओलंपिक खेल 2036 और एशियाई खेलों 2038 की मेजबानी के लिए भी बोली लगा रहा है। ये नीतियां भारत को वैश्विक आयोजनों के एक अनुकूल मेजबान के रूप में प्रस्तुत करती हैं।

चेन्नई सुपरकिंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के एक महत्वपूर्ण मुकाबले में मंगलवार को चेन्नई सुपरकिंग्स ने संजू सैमसन की आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ चेन्नई ने प्लेऑफ की रेस में खुद को बरकरार रखा है, जबकि दिल्ली की राह अब बेहद मुश्किल हो गई है। दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट पर 155 रन पर रोकने के बाद सुपरकिंग्स ने 17.3 ओवर में दो विकेट पर 159 रन बनाकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाए रखा।

चेन्नई सुपरकिंग्स की यह 10 मैचों में पांचवीं जीत है और टीम तालिका में छठे स्थान पर बनी हुई है। दिल्ली कैपिटल्स इतने ही मैचों में छठी हार के बाद आठ अंकों के साथ सातवें स्थान पर है और प्लेऑफ में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। जिस पिच पर अन्य बल्लेबाज संघर्ष कर रहे थे, सैमसन ने वहां धाराप्रवाह बल्लेबाजी करते हुए सात

चौके और छह छक्के लगाने के अलावा तीसरे विकेट के लिए युवा कार्तिक शर्मा (नाबाद 41) के साथ 66 गेंदों में 114 रन की अटूट साझेदारी की।

पिछले मैच में नाबाद अर्धशतक जड़ने वाले कार्तिक ने 31 गेंदों की नाबाद पारी में चार चौके और दो छक्के लगा कर समझदारी से बल्लेबाजी की। दिल्ली कैपिटल्स के लिए कप्तान अक्षर पटेल और लुंगी एनगिडी ने एक-एक सफलता हासिल की। इससे पहले ट्रिस्टन स्टब्स (38) और समीर रिजवी (नाबाद 40) के बीच छठे विकेट के लिए 47 गेंदों में 65 रन की साझेदारी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने खराब शुरूआत से उबरते हुए सात विकेट पर 155 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स ने 69 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे, लेकिन स्टब्स और रिजवी की साझेदारी के बाद आशुतोष शर्मा की पांच गेंदों में दो छक्के जड़ित 14 रन की पारी से धीमी पिच पर प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया।

रिजवी ने 24 गेंदों की नाबाद पारी में चार छक्के लगाए, जबकि स्टब्स ने 31 गेंदों की पारी में एक चौका और दो छक्के जड़े। दिल्ली कैपिटल्स ने आखिरी पांच ओवरों में 58 रन जोड़े। इस बीच चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने शानदार लय में चल रहे जैमी ओवरटन से सिर्फ एक ओवर कराया, जिन्होंने 19वें ओवर में सिर्फ पांच रन खर्च कर स्टब्स को आउट किया। नूर अहमद ने तीन ओवर में 22 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि अकील हुसैन ने चार ओवर में 19 रन देकर एक सफलता हासिल की। गुरजपनीत और अंशुल कंबोज को भी एक-एक सफलता मिली, लेकिन कंबोज चार ओवर में 49 रन देकर सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए।

लोकेश राहुल (12), पथुम निसंका (19), नीतिश राणा (15) और करुण नायर (13) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद आसानी से विकेट गंवा दिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सैमसन ने दूसरे ओवर में अक्षर पटेल का स्वागत छक्के से किया, लेकिन स्टार्क के खिलाफ चौका जड़ने के बावजूद कप्तान रुतुराज गायकवाड़ रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे। वह चौथे ओवर में बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में 13 गेंदों पर छह रन बनाने के बाद एनगिडी की गेंद पर रिजवी को कैच दे बैठे। क्रीज पर आए उर्विल पटेल (17) ने पावरप्ले की आखिरी दो गेंदों पर एनगिडी के खिलाफ छक्के जड़े, जिससे छह ओवर के बाद टीम ने एक विकेट पर 44 रन बनाए।

आईपीएल फाइनल की मेजबानी छिनने पर भड़का केएससीए, कहा- बीसीसीआई के फैसले से हम निराश हैं

नई दिल्ली। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने बुधवार को मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल को बेंगलुरु से अहमदाबाद स्थानांतरित करने के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के फैसले पर निराशा व्यक्त की। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मौजूदा चैंपियन होने के कारण परंपरा के अनुसार फाइनल मैच बेंगलुरु में होना था, लेकिन बीसीसीआई ने सटीक कारण बताए बिना इस महत्वपूर्ण मैच को अहमदाबाद में स्थानांतरित कर दिया।

बीसीसीआई ने हालांकि कहा कि स्थानीय संघ और अधिकारियों की कुछ मांगों के कारण स्थान बदला गया क्योंकि इस तरह की मांग बीसीसीआई के स्थापित दिशानिर्देशों और प्रोटोकॉल के दायरे से बाहर थीं। केएससीए अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने आईपीएल 2026 की शुरूआत में घोषणा की थी कि बीसीसीआई ने बेंगलुरु को सात मैच की मेजबानी सौंपने का फैसला किया है। इनमें आरसीबी के पांच घरेलू मैच, एक प्लेऑफ और फाइनल शामिल था। केएससीए के आधिकारिक प्रवक्ता विनय मृत्युंजय ने कहा, केएससीए इस पर निराशा व्यक्त करता है कि आईपीएल के प्लेऑफ मैचों की मेजबानी अन्य केंद्रों को सौंपी गई है।

केएससीए अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद इस संबंध में बीसीसीआई के संपर्क में थे और उन्होंने चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल प्लेऑफ की मेजबानी के लिए केएससीए की तैयारी और गहरी रुचि से औपचारिक रूप से अवगत भी कराया था। मृत्युंजय ने कहा कि बीसीसीआई ने अभी तक प्लेऑफ मैचों को अन्य केंद्रों में स्थानांतरित करने के विशिष्ट कारणों का खुलासा नहीं किया है। उन्होंने कहा, प्लेऑफ की मेजबानी करने के लिए हमारी तैयारी और इच्छा के बावजूद बीसीसीआई ने इन मैचों की मेजबानी अन्य स्थानों को सौंपने का फैसला किया है।

मृत्युंजय ने कहा, केएससीए को हालांकि इसके विशिष्ट कारणों की औपचारिक रूप से जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन हम इस संबंध में बीसीसीआई के विशेषाधिकार का पूरी तरह से सम्मान करते हैं। पिछले साल चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के जीत के जश्न के दौरान भगदड़ में 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी। इसके बाद इस स्टेडियम में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला गया। आईपीएल प्लेऑफ मैचों का मेजबानी नहीं मिलने के बावजूद मृत्युंजय ने दोहराया कि केएससीए अब सभी स्तरों पर मैचों की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है।

उन्होंने कहा, केएससीए यह दोहराना चाहता है कि वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है तथा भारत में क्रिकेट प्रतियोगिताओं के सफल संचालन के लिए बीसीसीआई, फ्रेंचाइजी, सरकारी अधिकारियों और सभी हितधारकों को अपना पूरा समर्थन और सहयोग देना जारी रखेगा। चिन्नास्वामी स्टेडियम में इस साल के आखिर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी होगी। यह स्टेडियम 17 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी करेगा। इसके अलावा भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा वनडे मैच भी 16 दिसंबर को यहीं खेला जाएगा।

थॉमस कप में पदक के बावजूद कोई चर्चा नहीं: निराश सात्विक का टूटा दिल; चिराग-प्रणय ने दिया झकझोर देने वाला बयान

नई दिल्ली। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सत्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने थॉमस कप 2026 में कांस्य पदक जीतने के बाद बड़ा बयान देकर खेल जगत में बहस छेड़ दी है। दोनों खिलाड़ियों ने साफ कहा कि भारत अभी भी खेल राष्ट्र नहीं बना है और यहां बैडमिंटन जैसी उपलब्धियों को वह सम्मान नहीं मिलता, जो मिलना चाहिए। सबसे चौंकाने वाला बयान सत्विक का रहा, जिन्होंने कहा कि वह अपने बच्चे को बैडमिंटन नहीं खिलाना चाहेंगे।

एयरपोर्ट पर लौटे, किसी ने नहीं पहचाना

डेनमार्क में थॉमस कप में पदक जीतने के बाद जब भारतीय टीम स्वदेश लौटी, तो खिलाड़ियों को उम्मीद थी कि देश इस सफलता पर गर्व करेगा, लेकिन एयरपोर्ट पर जो हुआ, उसने खिलाड़ियों को निराश कर दिया। सत्विक ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी लिखा था, 'घर लौट आए हैं। हमेशा की तरह किसी को नहीं पता कि पिछले दो हफ्तों में क्या हुआ, और लगता है किसी को फर्क भी नहीं पड़ता।' बाद में उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में बताया, 'हम जर्मनी से सात घंटे की फ्लाइट लेकर हैदराबाद पहुंचे। किसी ने यह तक नहीं पूछा कि हम कौन हैं या कौन सा मेडल जीतकर आए हैं। हम थॉमस कप की जर्सी पहने थे, लेकिन सब लोग आईपीएल, राजनीति या दूसरी चीजों में व्यस्त थे।'

'2022 में गोल्ड जीता, तब भी यही हाल था'

सत्विक ने याद दिलाया कि 2022 में भारत ने पहली बार थॉमस कप गोल्ड जीता था, लेकिन तब भी जश्न वैसा नहीं हुआ जैसा होना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'जब हम 2022 में जीते थे, तब भी इसे और बड़े स्तर पर मनाया जाना चाहिए था। लोग नहीं समझते कि ऐसे मौके बार-बार नहीं आते। थॉमस कप जीतना बहुत मुश्किल है, मेडल जीतना भी आसान नहीं।' उन्होंने आगे कहा, 'एयरपोर्ट पर प्रणय, श्रीकांत और ध्रुव जैसे खिलाड़ी खुद कैब बुक कर रहे थे। मेरे दोस्त मुझे लेने आए थे, लेकिन वह दृश्य देखकर मैं बहुत दुखी था।'

'मैं अपने बच्चे को बैडमिंटन नहीं खिलाऊंगा'

सत्विक ने सबसे बड़ा बयान तब दिया जब उन्होंने भविष्य को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'मैंने प्रणय से कहा कि मैं अपने बच्चे को बैडमिंटन नहीं खेलने दूंगा। अगर आप मानसिक रूप से मजबूत हैं तो संभाल लेंगे, वरना जब देश का बड़ा हिस्सा आपकी मेहनत से अनजान हो, तब आगे बढ़ना बहुत मुश्किल हो जाता है।' हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि उन्हें बड़े सम्मान की अपेक्षा नहीं है। सात्विक ने कहा, 'हैदराबाद अकादमी में हमें सम्मान मिला, छोटा सा बुके मिला, केक कटा, वही काफी था। हमें कुछ भव्य नहीं चाहिए।'

सत्विक के जोड़ीदार चिराग शेट्टी ने भी निराशा जताई। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस से कहा कि भारत में कुछ खेलों को छोड़ बाकी उपलब्धियों की अहमियत अब भी नहीं समझी जाती। उन्होंने कहा, 'हमें एयरपोर्ट पर भीड़ की उम्मीद नहीं थी। पिछली बार जब हम जीते थे, हमारा स्वागत हुआ था, प्रधानमंत्री से मिले थे, सम्मान भी मिला था। लेकिन उस जीत का जश्न वैसा नहीं मनाया गया जैसा होना चाहिए था। जो लोग बैडमिंटन देखते हैं, वे समझते हैं, लेकिन आम जनता 2022 की जीत की अहमियत नहीं समझती। यह सोचकर दुख होता है कि हम अभी तक स्पोर्टिंग नेशन नहीं बने हैं।'

चिराग ने कहा, 'हां, हम बहुत सारे मेडल जीतते हैं, लेकिन हम अपने खिलाड़ियों का जश्न उस तरह नहीं मनाते जैसे मनाना चाहिए। अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। सरकार और खेल संस्थाएं अपना काम कर रही हैं, लेकिन पूरे खेल माहौल को खिलाड़ियों की उपलब्धियों का सम्मान करना शुरू करना होगा।' यह कोई पहली बार नहीं है। चिराग पहले भी इस मुद्दे पर बोल चुके हैं।

एचएस प्रणय ने भी खिलाड़ियों की भावना समझाई। उन्होंने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा कि बैडमिंटन व्यक्तिगत खेल है, लेकिन थॉमस कप जैसे टूनार्मेंट में खिलाड़ी देश के लिए टीम बनाकर खेलते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर खिलाड़ी मिलकर थॉमस कप जीत सकते हैं, तो उसे उसी स्तर पर पहचान मिलनी चाहिए। दुर्भाग्य से कई लोग यह तक नहीं समझते कि थॉमस कप दरअसल बैडमिंटन का वर्ल्ड कप जैसा टूनार्मेंट है। जब इतनी बड़ी उपलब्धि के बाद पहचान नहीं मिलती, तो खिलाड़ियों के लिए हर बार प्रेरित रहना मुश्किल हो जाता है।'

नई दिल्ली | दैनिक करंट क्राइम
06 | गुरुवार • 07 मई -2026

दिनदहाड़े कैश वैन में लूट

25 लाख लेकर 20 मिनट में फरार बदमाश

क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके में हुई वारदात, कुशलिया में कैश वैन छोड़कर भागे लुटेरे

बलैनो में लूटकर भागे बदमाश, घटना के खुलासे के लिए आठ टीमें गठित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस की एक और बड़ी तस्वीर सामने आई है। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में दिनदहाड़े एटीएम कैश वैन को निशाना बनाकर बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में लूट की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। महज 20 मिनट के भीतर पूरी वारदात को अंजाम देकर आरोपी लाखों रुपये लेकर फरार हो गए, जिससे पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार एवन इंडिया नामक फाइनेंशियल कंपनी की कैश वैन क्षेत्र के एक एटीएम पर कैश डालने पहुंची थी।

वैन के कर्मचारी मशीन में पैसे भरने में व्यस्त थे, जबकि ड्राइवर वाहन के पास मौजूद था। इसी दौरान चार हथियारबंद बदमाश पैदल मौके पर पहुंचे और अचानक ड्राइवर को हथियारों के बल पर काबू में ले लिया। बदमाशों ने बेहद योजनाबद्ध तरीके से ड्राइवर को डराया-धमकाया और वैन को लेकर मौके से फरार हो गए। पूरी घटना इतनी तेजी से हुई कि आसपास मौजूद लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला।

8 टीमें गठित, कैमरे खंगाल रही पुलिस

करंट क्राइम : लूट की इस बड़ी घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। डीसीपी सिटी जोन धवल जयसवाल के निर्देश पर मामले के खुलासे के लिए 8 विशेष टीमों का गठन किया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि बदमाशों की पहचान और उनके भागने के रास्ते का पता लगाया जा सके। वहीं, कैश वैन के ड्राइवर और कर्मचारियों से भी गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं वारदात में किसी अंदरूनी जानकारी का इस्तेमाल तो नहीं हुआ।

20 मिनट में ऑपरेशन लूट पूरा, 10 किमी दूर मिली वैन

करंट क्राइम : सूत्रों के मुताबिक बदमाशों ने पूरी वारदात को 15 से 20 मिनट के भीतर अंजाम दिया। वैन को लेकर फरार होने के बाद उन्होंने रास्ते में ही उसमें रखी नकदी निकाल ली और करीब 10 किलोमीटर दूर एक सुनसान इलाका कुशलिया क्षेत्र में वैन को छोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने अलर्ट जारी किया और इलाके में नाकेबंदी की गई, लेकिन तब तक आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर हो चुके थे।

करीब 25 लाख रुपये कैश पर हाथ साफ

करंट क्राइम : प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कैश वैन में करीब 25 लाख रुपये मौजूद थे, जिसे बदमाश लूटकर ले गए। हालांकि पुलिस सटीक रकम का मिलान कर रही है। यह भी जांच का विषय है कि इतनी बड़ी राशि के परिवहन के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए गए।

कानून-व्यवस्था पर उठे बड़े सवाल

करंट क्राइम : दिनदहाड़े, व्यस्त इलाके में इस तरह की लूट ने पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एटीएम में कैश डालने जैसी संवेदनशील प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा का अभाव साफ नजर आया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि बदमाश इतने आराम से आए, वारदात को अंजाम दिया और 10 किलोमीटर तक वैन लेकर निकल गए, लेकिन पुलिस को भनक तक नहीं लगी। फिलहाल पुलिस के सामने इस हाई-प्रोफाइल लूट का जल्द खुलासा करना बड़ी चुनौती है। अधिकारी दावा कर रहे हैं कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा, लेकिन इस घटना ने शहरवासियों के बीच डर और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। यह घटना सिर्फ एक लूट नहीं, बल्कि संगठित अपराध और सुरक्षा में चूक का बड़ा उदाहरण है। अगर एटीएम कैश मूवमेंट जैसे संवेदनशील कार्य में भी सुरक्षा पुख्ता नहीं होगी, तो अपराधियों के हौसले और बढ़ना तय है।

धर्मांतरण के आरोपों से शिक्षिका का यू-टर्न, स्कूल को मिली क्लीन चिट

मोदीनगर, करंट क्राइम। सेंट टेरेसा पब्लिक स्कूल में धर्म परिवर्तन के दबाव को लेकर उपजा विवाद शिक्षिका के अपने बयानों से पलटने के बाद समाप्त हो गया है। मंगलवार को पीटीआई शिक्षिका अरुण गोस्वामी ने प्रबंधन पर धर्मांतरण का दबाव बनाने और धार्मिक टैटू हटवाने का आरोप लगाया था। इसके विरोध में हिंदू संगठनों ने स्कूल के गेट पर हनुमान चालीसा का पाठ कर भारी हंगामा किया था।

बुधवार को मामले ने नया मोड़ लिया जब शिक्षिका ने सभी आरोपों को सिरे से नकारते हुए कहा कि उन्हें अब स्कूल प्रबंधन से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने इसके पीछे पारिवारिक प्रतिष्ठा और प्रशासन की समझाइश का हवाला दिया। पुलिस जांच में स्कूल की स्थापना से अब तक धर्मांतरण का कोई मामला सामने नहीं आया। पर्याप्त साक्ष्य न मिलने पर पुलिस ने स्कूल को क्लीन चिट दे दी है। प्रधानाचार्या सिस्टर लॉर्ड ने आरोपों को निराधार बताते हुए स्पष्ट किया कि स्कूल में सभी धर्मों का सम्मान किया जाता है और सभी त्यौहार विधि-विधान से मनाए जाते हैं। शिक्षिका के कदम पीछे खींचने के बाद पुलिस ने मामले में किसी भी कार्यवाही से इनकार कर दिया है।

शिक्षित उत्तर प्रदेश 2047 के संकल्प के साथ एकजुट हुए शिक्षाविद

राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान संगठन की जनरल बॉडी मीटिंग में समस्याओं के समाधान हेतु विशेष टीम का गठन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कोलंबिया इंस्टीट्यूट में 'राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान संगठन' की जनरल बॉडी की एक महत्वपूर्ण सभा आयोजित की गई। इस बैठक में गाजियाबाद और नोएडा के 47 प्रतिष्ठित विद्यालयों के संचालकों और प्रधानाचार्यों ने हिस्सा लिया। सभा का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों के संचालन में आ रही बाधाओं को दूर करना और भविष्य की शैक्षणिक योजनाओं को मूर्त रूप देना था।

बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों ने स्कूल संचालन में आने वाली विभिन्न प्रशासनिक और व्यावहारिक मुश्किलों को साझा किया। इस पर गहन मंथन के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संगठन प्रशासन के साथ सहयोगात्मक भाव से कार्य करेगा। समस्याओं के प्रभावी निराकरण के लिए एक विशेष टीम का भी गठन किया गया, जो सीधे अधिकारियों और विभाग के साथ संवाद स्थापित करेगी।

संगठन के क्रियाकलापों को एक विस्तृत प्रेजेंटेशन के माध्यम से समझाया गया, जिसमें पिछले वर्ष की उपलब्धियों और आगामी सत्र की योजनाओं का खाका पेश किया गया। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से 'शिक्षित उत्तर प्रदेश 2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और इसे सफल बनाने का दृढ़ संकल्प लिया।

सभा की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मदर इंडिया पब्लिक स्कूल के चेयरमैन पायलट राकेश त्यागी ने की। उनके साथ शिक्षा जगत की प्रमुख हस्तियों ने अपने विचार रखे, जिनमें शामिल थे: सुरेश त्रिवेदी (अध्यक्ष, कॉल उबर पब्लिक स्कूल, नोएडा), वी. एम. त्यागी (चेयरमैन, कोलंबिया इंस्टीट्यूट), गजे सिंह त्यागी (अध्यक्ष, दिवाकर पब्लिक स्कूल), प्रीति गोयल (प्रिंसिपल, सन वैली इंटरनेशनल स्कूल), पुनीत लोधी (मैनेजर, ईस्ट दिल्ली पब्लिक स्कूल), ज्योत्सना शर्मा (प्रिंसिपल, शंभू दयाल ग्लोबल स्कूल)। इसके अतिरिक्त दुष्यंत त्यागी (ज्ञान इंटरनेशनल), भावना चिकारा (प्रेजिडियम स्कूल), नवीन त्यागी (नोएडा एजुकेशनल अकैडमी) और सुमन सिंह (रेडिकॉन स्कूल) ने भी विद्यालय प्रबंधन और शिक्षा सुधार पर अपने सुझाव दिए।

सपा नेता के किस असिस्टेंट ने कहा मेरा स्मार्ट मीटर है बिल्कुल ठीक

स्मार्ट मीटर को लेकर स्मार्ट राजनीति ये हुई कि सरकार के विधायक नन्द किशोर गुर्जर ने मोर्चा खोल दिया। सरकार के नेता मैदान में आ गये और स्मार्ट मीटर का फैसला वापस लेना पड़ा। बड़ी बात ये रही कि साईकिल वालों के जिला और सिटी कप्तान भी इसके विरोध में आये। लेकिन जब सपा नेता के असिस्टेंट की जुबान खुली तो पता चला कि बेकार में ही सपा वाले विरोध कर रहे हैं। असिस्टेंट ने कहा कि मेरा स्मार्ट मीटर तो बिल्कुल ठीक काम कर रहा है। पता नहीं ये लोग क्यों विरोध कर रहे हैं। नेता जी विरोध में हैं और असिस्टेंट शान में कसीदे पढ़ रहा है।

मुचलकों में पाबंद होने से लेकर हाउस अरेस्ट तक हो गये फूल वाले

बंगाल वाली जीत के बाद खुशी के मारे उछल कूद कर रहे देवतुल्य को हाशिये पर लेटे भाजपाई ने ही याद दिलाया। उसने कहा कि झालपूड़ी खाकर खुश हो रहे हो और कभी ये भी पूछ लो कि बाबा ये सारा जुल्म केसरिया देवतुल्यों पर ही होगा। तुम आते हो तो उसी रात पुलिस घर पर आ जाती है। यूजीसी की बात होती है तो हम हाउस अरेस्ट हो जाते हैं। जिन्होंने तुम्हारे लिए वोट मांगे और जिन्होंने तुम्हें वोट दिये वो भी सबके घर पर पुलिस आ ली है। फिर बताया कि मुचलकों में कौन सा हाथ वाले या साईकिल वाले पाबंद हुए। रामलीला वाले दंगल में फूल वालों को ही मुचलकों में पाबंद किया गया। कुछ भी कहा अपोजिशन वाली फीलिंग फूल वाले बाबा खत्म नहीं होने दे रहे। यहां पर वरिष्ठ भाजपाई ने कहा कि हमारे देवतुल्य भी बहुत भोले हैं। बंगाल में गुलाल उड़ेगा तो ये यूपी का मलाल भूल जायेंगे। झालपूड़ी आई तो नामित पार्षदी की टीस खत्म हो गई। झालपूड़ी पेट में गई तो संगठन में नाम ना आने की चूल लापता हो गई। सारे सितम हम पर अपनी ही सरकार में तो हुए हैं। वरना साईकिल वालों और हाथी वालों के राज में तो पुलिस ने हमें कभी ना हाउस अरेस्ट किया और ना हाथ लगाया।

ये व्यापार मंडल वाले क्यों मानते हैं खुद को इतना वरिष्ठ भाजपाई

व्यापार मंडल वालों को ये शिकवा रहता है कि जब पार्टी कुछ कृपा करती है तो व्यापारियों पर उसकी दृष्टिनहीं पड़ती। फ्लावर वाले इस बात को लेकर फायर होते हैं और वो कहते हैं कि ये कब से भाजपाई हो गये। वो यहां तर्क देते हैं कि जैसा देश वैसा भेष वाले नेता कब से भाजपाई हो गये। एक ने समाजवादी व्यापारी नेता का उदाहरण दिया और बताया कि वो रात के अधेंरे में फूल वालों के साथ था। पूछा तो कह दिया कि व्यापारी एकता वाले बैनर पर हूं। फिर उन्होंने बताया कि जितने भी शैडो फ्लावर व्यापार मंडल हैं ये सब के सब जहां देखी तवा परात वाले भाजपाई हैं। ये सरकारों के साथ सपाई हो जाते हैं, बसपाई हो जाते हैं और अब 2017 के बाद से ये भाजपाई हो रहे हैं। पुराने भाजपाई ने यहां तक कह दिया कि हम कोई विवाद नहीं चाहते वरना हम पुराने फोटो दिखा देंगे, मंच दिखा देगे और बता देंगे कि आस्था कैसे टर्न होती है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार शुरू

मोदीनगर, करंट क्राइम। गाजियाबाद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर तहसील से एक विशेष न्याय रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रथ 9 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए है। जिसका उद्देश्य आम जनता को सस्ता और सुलभ न्याय दिलाना है। उपजिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह, तहसीलदार रजत सिंह, नायब तहसीलदार मुकेश शर्मा, पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल व संगीता ने सयुक्त रूप से न्याय रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। न्याय रथ शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए विभिन्न गांवों में निकाला गया। इसका मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को राष्ट्रीय लोक अदालत के लाभों और उसकी उपयोगिता के प्रति जागरूक करना है। लोक अदालत में आपसी सहमति से वादों का निस्तारण किया जाता है, जिससे शीघ्र और सस्ता न्याय मिलता है तथा न्यायालय शुल्क भी वापस मिल जाता है।

चोरी रोकने का प्लान मैकेनिकों से मीटिंग कर रहे हैं कोतवाल

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में जिस तरीके से क्राइम को लेकर लगातार बैठकरकें हो रही हैं और चोरी और स्नैचिंग को लेकर पेंच टाइट किए जा रहे हैं, उसके कई सारे परिणाम आ रहे हैं। इन सबके बीच जानकारी मिली है की नदिया पार के एक प्रभारी तो आजकल चोरी रोकने के लिए नए प्लान पर काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि उनके थानाक्षेत्र एक दूसरे पुलिस कमिश्नरेट और एक दूसरे राज्य की सीमा से लगे हुए हैं, इसीलिए वाहन चोरी वाले क्राइम रेट का मामला बहुत ज्यादा है। सुनने में आया है कि बीते दिनों उन्होंने अपने थानाक्षेत्र वाले सभी बाइक मैकेनिक बुलाए थे, उनकी एक मीटिंग की थी, उनको चेतावनी दी थी कि अगर चोरी के वाहनों की इन मैकनिकों की कोई संलिप्ता निकली तो मामला गंभीर हो सकता है। वहीं बताया यह भी जा रहा है कि उनके द्वारा शपथ दिलाई गई है की चोरी के वाहनों को ना लेंगे ना ठीक करेंगे। इन सबके बीच जानकारी यह है कि बीती कुछ मीटिंगों में चोरी और वाहन चोरी को लेकर साहब और नंबर दो की पोजीशन वाले अधिकारियों का टेंपरेचर थोड़ा हाई हुआ है। जिसकी वजह से आजकल नदिया पार के कई प्रभारी रात को दो-दो बजे तक जाग रहे हैं। तो कोई टीम बनाकर लेफ्ट राइट लेफ्ट कर रहा है। पर आलम यह है कि दिल्ली वाले रोज नकबजनी कर रहे हैं और क्राइम का ग्राफ बढ़ाकर थाना प्रभारी की टेंशन बढ़ा रहे हैं। सूत्र बता रहे हैं कि जिस तरीके से प्रभारी ने नए वाले थाने में मीटिंग की है, इस मीटिंग की कुछ रील भी बन गई हैं। कुछ मैकेनिक अपने इंस्टाग्राम पर डाल रहे हैं, तो खुद प्रभारी ने भी स्टेटस लगाकर संदेश देने का काम किया है की चोरी रोकने के लिए वह प्लान बना रहे हैं और इस पर काम कर रहे हैं। अब देखना होगा कि उनका यह प्लान कितना सफल होता है या पुलिस वहीं करेगी जो पहले से करती चली आ रही है। उधर पुलिस के सूत्र यह बता रहे हैं कि जिस तरीके से बुधवार को बड़ी वाली लूट हुई है, तो उसमें कई थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे थे। तो वह पुलिस कर्मी भी नजर आए जिनको वर्दी पहनने का निर्देश दिया गया था। देखना होगा की मौके पर पहुंचे आलाधिकारियों ने उनकी वर्दी पर कितना ध्यान दिया या पूरी अटेंशन लूट की वारदात पर ही केंद्रित रह गई। कुल मिलाकर जिस तरीके से कोतवाल ने यह मैकेनिक मीटिंग वाला प्लान किया है, इसकी चर्चा इन दिनों पुलिस कमिश्नरेट में जमकर हो रही है।

कौशांबी, सिहानी गेट व नंदग्राम में चला दो गज पीछे अभियान, अतिक्रमण पर दिखी सख्ती

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में शहर को अतिक्रमण मुक्त और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन दो गज अभियान के तहत बुधवार को थाना कौशांबी और नंदग्राम क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया।

सीपी के निर्देशन में दोनों थानाक्षेत्रों की पुलिस टीमों ने बाजारों, मुख्य मार्गों और गलियों में पहुंचकर दुकानदारों व अतिक्रमण करने वालों को जागरूक किया। इस दौरान सड़क और फुटपाथ पर फैले सामान को हटवाया गया और व्यापारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे अपनी दुकानों को निर्धारित सीमा के भीतर ही रखें। दो गज पीछे अभियान के अंतर्गत बस अड्डा एवं नासिरपुर क्षेत्र में ट्रैफिक पुलिस के साथ संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाही की गई। अभियान के दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को हटाकर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाया गया, आमजन को नियमों के पालन हेतु जागरूक किया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण से यातायात बाधित होता है और आमजन को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए दो गज पीछे अभियान एक सप्ताह तक लगातार चलाया जा रहा है। थाना कौशांबी और नंदग्राम पुलिस ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर में सुगम यातायात, सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखना है, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

राष्ट्रीय लोक अदालत में लंबित चालानों के निस्तारण के लिए परिवहन विभाग की विशेष व्यवस्था

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 9 मई 2026 (शनिवार) को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर परिवहन विभाग द्वारा लंबित चालानों के निस्तारण हेतु विशेष व्यवस्था की गई है। यह जानकारी सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) गाजियाबाद अशोक कुमार श्रीवास्तव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग की प्रवर्तन कार्यवाही के अंतर्गत लंबित चालानों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से सरल, सुलभ एवं त्वरित प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। वाहन स्वामी एवं चालक लोक अदालत में पहुंचकर अपने लंबित चालानों का निस्तारण करा सकते हैं। प्रकरणों का निपटारा आपसी सहमति के आधार पर किए जाने से अनावश्यक विलंब से बचते हुए समय और धन दोनों की बचत होगी। अशोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि संबंधित न्यायालयों एवं लोक अदालत स्थलों पर आवश्यक अभिलेखों की उपलब्धता तथा कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है, ताकि अधिक से अधिक मामलों का सुगमता एवं प्रभावी ढंग से निस्तारण किया जा सके।

उन्होंने जनपद के समस्त वाहन स्वामियों एवं चालकों से अपील की कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत के इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपने लंबित चालानों का निस्तारण कराएं और अपने विधिक दायित्वों का पालन सुनिश्चित करें।

जेएमएसआईटी कॉलेज, गाजियाबाद के विद्यार्थियों को सेरियो शिपिंग कंपनी में मिला प्लेसमेंट

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद स्थित जेएमएसआईटी कॉलेज में एक सफल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिष्ठित कंपनी सेरियो शिपिंग ने भाग लिया।

इस ड्राइव में बीबीए, बीसीए, एमबीए एवं एमसीए के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरूआत कंपनी के अध्यक्ष द्वारा कंपनी परिचय एवं जॉब प्रोफाइल की जानकारी से हुई। इसके पश्चात प्री-प्लेसमेंट टॉक, ग्रुप डिस्कशन तथा पर्सनल इंटरव्यू के माध्यम से विद्यार्थियों का चयन किया गया। छात्रों ने इस ड्राइव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर संस्था के जनरल सेक्रेटरी डॉ. हिमांशु सिंहल, अधिशासी निदेशक डॉ. ए. के. चौहान, निदेशक अनिरुद्ध बिस्वास, प्राचार्य डॉ. प्रवीण गुप्ता, प्लेसमेंट प्रमुख आशुतोष द्विवेदी एवं ट्रेनिंग-एंड-प्लेसमेंट ऑफिसर राजन शर्मा ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यह संपूर्ण प्लेसमेंट ड्राइव कैंपस मैनेजर डॉ. गौरव शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष अनिल स्वामी इन दिनों कनाडा में हैं। वो अपनी धर्मपत्नी के साथ कनाडा टोरेंटो में हिंदु हैरीटेज मंदिर में गये। ये एक निष्ठा है एक आस्था है कि विदेश में जाकर भी अनिल स्वामी उनकी पत्नी अपनी आस्था अपनी श्रद्धा को नहीं भूले। मंदिर में पूजा अर्चना की और फिर ये फोटो साझा किया। पूर्व निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष अनिल स्वामी की टोरेंटों से साझा हुई यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

जमैका के बाद सूरीनाम पहुंचे जयशंकर
पारामारीबो में हवाई अड्डे पर हुआ गर्मजोशी से स्वागत

पारामरिबो। विदेश मंत्री एस जयशंकर जमैका के बाद अब सूरीनाम पहुंच गए हैं, जहां राजधानी पारामरिबो में उनके समकक्ष ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कैरिबियाई देशों के साथ भारत के संबंधो को मजबूत करने की दिशा में उनकी यह यात्रा अहम मानी जा रही है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को सूरीनाम पहुंचे, जहां उनकी वहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता होने वाली है। तीन कैरिबियाई देशों की यात्रा के दूसरे चरण में उन्होंने अपने समकक्ष मेल्विन बुवा से मुलाकात की, जिन्होंने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

जयशंकर ने कहा कि वह पहली बार पारामारीबो (सूरीनाम की राजधानी) पहुंचे हैं और बातचीत को लेकर उत्साहित हैं। इस दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है।

विदेश मंत्रालय ने क्या कहा?

विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और सूरीनाम के बीच खास संबंध हैं, क्योंकि वहां बड़ी संख्या में गिरमिटिया समुदाय के लोग रहते हैं। ये वे भारतीय मजदूर थे जो 19वीं सदी में अनुबंध के तहत विदेश में काम करने गए थे और बाद में वहीं बस गए। इस यात्रा के बाद जयशंकर त्रिनिदाद और टोबैगो भी जाएंगे। इससे पहले वह जमैका का दौरा कर चुके हैं, जहां कई अहम समझौते हुए और सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई।

जमैका दौरे के दौरान किए कई समझौते

भारत ने जमैका को स्वास्थ्य और आपदा राहत के तहत डायलिसिस यूनिट, मछली पकड़ने वाली नावें और जीपीएस उपकरण देने का निर्णय लिया है। यह सहायता पिछले साल आए तूफान के बाद पुनर्निर्माण में मदद के लिए दी जा रही है।

इन क्षेत्रों में सहयोग करने पर जताई सहमति

जयशंकर ने जमैका में कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए और दोनों देशों ने डिजिटल, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट के लिए जमैका के समर्थन और आतंकवाद के खिलाफ रुख पर एकुजटता की सराहना की। इस दौरान उन्होंने प्रवासी भारतीय समुदाय से भी मुलाकात की और वहां के विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

प्रशांत महासागर में ट्रंप ने छेड़ दिया नया युद्ध?
फिर संदिग्ध ड्रग्स नाव अमेरिका ने किया हमला, तीन की मौत

वॉशिंगटन। पूर्वी प्रशांत महासागर में अमेरिकी सेना ने एक संदिग्ध ड्रग्स नाव पर हवाई हमला किया है, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। ट्रंप प्रशासन लातिन अमेरिका में 'नार्कोटेररिज्म' के खिलाफ कड़ा अभियान चला रहा है, जिसमें अब तक 191 लोग मारे जा चुके हैं। सेना ने एक्स पर इसका वीडियो भी जारी किया है। हालांकि, सबूतों के अभाव में आलोचकों ने इन हमलों की कानूनी वैधता पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

अमेरिका ने ड्रग्स तस्करों के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई को बेहद आक्रामक कर दिया है। पूर्वी प्रशांत महासागर में अमेरिकी सेना ने एक संदिग्ध नाव पर जोरदार हवाई हमला किया है। इस घातक हमले में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है।

यह लगातार दूसरा दिन है जब अमेरिका ने समुद्र में ऐसी किसी नाव को अपना निशाना बनाया है। अमेरिकी सेना ने जिस नाव पर बमबारी की, उस पर भारी मात्रा में ड्रग्स तस्करी करने का शक था। इससे ठीक एक दिन पहले सोमवार को भी अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर में एक और संदिग्ध ड्रग्स नाव पर हमला किया था, जिसमें दो लोग मारे गए थे। मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन ने लातिन अमेरिकी जलक्षेत्र में ड्रग्स ले जाने वाली संदिग्ध नावों को बम से उड़ाने का एक बहुत बड़ा अभियान छेड़ रखा है। सितंबर की शुरूआत से चल रहे इस हिंसक अभियान में अब तक कम से कम 191 लोगों की जान जा चुकी है। भले ही ट्रंप प्रशासन इन मरने वाले लोगों को 'नाकोर्टेररिस्ट' बता रहा है, लेकिन उसने अपने इन दावों को सच साबित करने के लिए बहुत कम सबूत दिए हैं।

ईरान युद्ध के बावजूद अमेरिका का यह अभियान तेज हुआ?

ईरान के साथ चल रहे युद्ध के बावजूद, अमेरिका ने हाल के हफ्तों में इस क्षेत्र में अपने हमले काफी तेज कर दिए हैं। ट्रंप का प्रशासन पश्चिमी गोलार्ध में जिसे 'नार्कोटेररिज्म' (मादक पदार्थ आतंकवाद) कहता है, उसे खत्म करने के लिए यह सब कर रहा है। सबसे हैरानी की बात यह है कि अमेरिकी सेना ने अभी तक इस बात का कोई पुख्ता सबूत नहीं दिया है कि नष्ट की गई इन नावों में सच में ड्रग्स मौजूद था।

मादुरो की गिरफ्तारी से कोई संबंध?

अमेरिका ने कई पीढ़ियों बाद इस क्षेत्र में अपनी सबसे बड़ी सैन्य उपस्थिति दर्ज की है। यह भारी सैन्य तैनाती जनवरी में हुई उस बड़ी छापेमारी से कुछ महीने पहले शुरू हुई थी, जिसमें वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ा गया था। मादुरो को पकड़कर न्यूयॉर्क लाया गया था, जहां उन पर ड्रग्स तस्करी के गंभीर आरोप चल रहे हैं, हालांकि उन्होंने अदालत में खुद को बेकसूर बताया है। वहीं, ट्रंप का तर्क है कि अमेरिका में नशीले पदार्थों की सप्लाई रोकने और ओवरडोज से होने वाली अमेरिकियों की मौतों को कम करने के लिए यह कड़ा कदम उठाना बहुत जरूरी है।

अमेरिका-ईरान समझौते के करीब खाड़ी तनाव खत्म होने के संकेत

14-सूत्रीय शांति समझौते पर तेज हुई वार्ता

अमेरिका। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी तनाव अब खत्म होने की ओर बढ़ सकता है। मध्यस्थ पाकिस्तान के एक सूत्र के हवाले से जानकारी मिली है कि दोनों देश खाड़ी क्षेत्र में चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक पन्ने के 14-सूत्रीय समझौते के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, यह बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है और उम्मीद है कि समझौता जल्द ही अंतिम रूप ले सकता है। अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस की रिपोर्ट को भी पाकिस्तानी सूत्र ने सही बताया है।

ट्रंप ने प्रोजेक्ट फ्रीडम रोका

इससे पहले, ट्रंप ने प्रोजेक्ट फ्रीडमह्न को रोक दिया है। यह मिशन अवरुद्ध जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही को सुरक्षित बनाने के लिए शुरू किया गया था। लेकिन यह अभियान यातायात को सामान्य करने में सफल नहीं हो पाया। रिपोर्ट के अनुसार, इस मिशन के बाद जलमार्ग में हमलों की घटनाएं बढ़ गई और जहाजों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में भी तनाव फैल गया। इसी बीच, एक फ्रांसीसी शिपिंग कंपनी ने बताया कि बुधवार को उसके एक कंटेनर जहाज पर जलडमरूमध्य में हमला हुआ। इस हमले में चालक दल के कुछ सदस्य घायल हो गए, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

अमेरिका प्रतिबंधों में दे सकता है बड़ी राहत

तेल बाजार और वैश्विक असर : इस संभावित समझौते की खबरों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बड़ा असर देखने को मिला है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई और ब्रेंट क्रूड करीब 8 प्रतिशत गिरकर लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं वैश्विक शेयर बाजारों में तेजी और बॉन्ड यील्ड में गिरावट दर्ज की गई।

30 दिन की बातचीत अवधि का प्रस्ताव

समझौते के प्रारूप के अनुसार, यदि इसे मंजूरी मिलती है तो युद्ध की समाप्ति की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। इसके बाद 30 दिनों की विस्तृत वार्ता अवधि शुरू होगी, जिसमें अंतिम शांति समझौते की शर्तें तय की जाएंगी। इस दौरान समुद्री रास्तों पर प्रतिबंध धीरे-धीरे हटाए जाएंगे और दोनों देशों के बीच तनाव कम करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि यदि वार्ता सफल नहीं होती है, तो अमेरिका सैन्य विकल्पों या नाकेबंदी जैसे कदम फिर से लागू कर सकता है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल में सैन्य गतिविधियों में कमी लाने का फैसला इसी कूटनीतिक प्रगति का हिस्सा था। वार्ता की अगुवाई अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जारेड कुशनर कर रहे हैं, जो सीधे और मध्यस्थों के जरिए तेहरान से संपर्क में हैं। इसके अलावा, अमेरिका चाहता है कि यदि ईरान समझौते का उल्लंघन करता है तो इस अवधि को बढ़ाने का प्रावधान भी हो। प्रस्ताव में यह भी शामिल है कि तय समय के बाद ईरान सीमित स्तर (3.67 प्रतिशत) तक यूरेनियम संवर्धन फिर शुरू कर सकेगा।

48 घंटे बेहद अहम- रुबियो

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी कहा कि समझौते को अंतिम रूप देने में तकनीकी चुनौतियां हैं और इसमें समय लग सकता है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि आने वाले 48 घंटे इस वार्ता के लिए बेहद अहम साबित हो सकते हैं। हालांकि, व्हाइट हाउस अभी सतर्क नजर आ रहा है। अधिकारियों का मानना है कि ईरान के भीतर नेतृत्व स्तर पर मतभेद हैं, जो अंतिम समझौते में बाधा बन सकते हैं।

यूएन में ईरान के खिलाफ कड़ा प्रस्ताव: जहाजों पर हमले रोकने की चेतावनी, नहीं माना तो भुगतने होंगे गंभीर नतीजे

नियम न मानने पर भुगतने होंगे गंभीर परिणाम

यह नया प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय सात के तहत लाया गया है। इसका मतलब है कि इन शर्तों को मनवाने के लिए सैन्य ताकत का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। अगर ईरान नियमों का पालन नहीं करता है, तो उस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध और अन्य प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। प्रस्ताव में साफ कहा गया है कि सभी देशों को अपने जहाजों की सुरक्षा करने का पूरा अधिकार है। साथ ही, दुनिया के अन्य देशों को निर्देश दिया गया है कि वे रास्ता रोकने या टोल वसूलने में ईरान की किसी भी तरह की मदद न करें। यह मसौदा क्षेत्र में शांति बनाए रखने और आपसी बातचीत को बढ़ावा देने की कोशिशों का भी समर्थन करता है।

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका और खाड़ी देशों ने ईरान के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया है। इसमें हॉर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमले रोकने और अवैध वसूली बंद करने की मांग की गई है। शर्तें न मानने पर ईरान पर कड़े प्रतिबंध और सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के खिलाफ एक कड़ा प्रस्ताव पेश किया गया है। इस प्रस्ताव में ईरान को चेतावनी दी गई है कि अगर उसने हॉर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमले नहीं रोके, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। अमेरिका और खाड़ी देशों ने मिलकर यह मसौदा तैयार किया है। इसमें मांग की गई है कि ईरान जहाजों से अवैध टोल वसूलना बंद करे। इसके अलावा, ईरान को समुद्र में बिछाई गई सभी बारूदी सुरंगों की जानकारी सार्वजनिक करनी होगी ताकि अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही सुरक्षित हो सके।

प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि ईरान को संयुक्त राष्ट्र की उन कोशिशों में तुरंत मदद करनी चाहिए, जो वहां एक मानवीय गलियारा बनाने के लिए की जा रही हैं। इस गलियारे की मदद से खाद और अन्य जरूरी सामान की सप्लाई सुनिश्चित की जा सकेगी। अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने उम्मीद जताई है कि इस बार 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में इस प्रस्ताव को जरूरी समर्थन मिल जाएगा। उन्हें लगता है कि इस बार ईरान के सहयोगी देश भी इसका विरोध नहीं करेंगे और न ही वीटो का इस्तेमाल होगा।

हंतावायरस संक्रमित मरीजों को नीदरलैंड भेजा गया

नीदरलैंड। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, हंतावायरस संक्रमित तीन मरीजों को एमवी होंडियस जहाज से निकालकर इलाज के लिए नीदरलैंड भेजा गया। हंतावायरस से पीड़ित तीन मरीजों को एमवी होंडियस जहाज से निकाला गया। उन्होंने इलाज के लिए नीदरलैंड भेजा गया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (हल्थ) के प्रमुख ने इस बात की जानकारी दी। महानिदेशक टेड्रोस घेब्रेयसस ने कहा कि संगठन जहाज के ऑपरेटर के साथ-साथ केप वर्डे, यूके, स्पेन और नीदरलैंड की सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

नीदरलैंड के विदेश मंत्रालय ने बताया तीन लोगों में 56 साल का एक ब्रिटिश नागरिक 41 साल के एक डच नागरिक और 65 साल के एक जर्मन नागरिक शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि उन्हें दो अलग-अलग उड़ानों से यूरोप के अस्पतालों में भर्ती कराया जाएगा। उन्होंने पर जारी एक बयान में कहा, विश्व स्वास्थ्य संगठन इस काम में शामिल सभी लोगों का शुक्रिया अदा करता है। इस समय, आम लोगों की सेहत को लेकर कम खतरा बताया है।

ईरान में एक शॉपिंग सेंटर में लगी आग, 8 लोगों की मौत 36 घायल

ईरान। ईरान की राजधानी के पास एक शॉपिंग सेंटर में आग लगी। इसमें आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं, 36 लोग घायल हो गए। यह जानकारी बुधवार को ईरान सरकारी टीवी ने दी। मंगलवार को तेहरान प्रांत के अंदिशेह

कस्बे में स्थित अर्घावन शॉपिंग सेंटर में आग लग गई। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। वहीं, सरकारी टेलीविजन चैनल आईआरआईबी ने बताया कि अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। टेलीविजन फुटेज में दमकलकर्मियों को आग की लपटों से जूझते हुए दिखाया गया, जबकि बहुमंजिला इमारत से काले धुएं के बड़े-बड़े गुबार उठ रहे थे। इस बात का कोई संकेत नहीं मिला कि आगजनी का संबंध युद्ध से था, जहां संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक अस्थिर युद्धविराम लगभग जारी है।

बंगाल में भाजपा जीत से बदलेगा भारत-बांग्लादेश समीकरण?

बीएनपी ने भाजपा और शुभेंदु अधिकारी को दी बधाई

ढाका। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक जीत का असर अब सीमाओं के पार भी दिखने लगा है। इस बड़ी चुनावी जीत ने क्षेत्रीय कूटनीति और राजनीति में एक सकारात्मक बदलाव का संकेत दिया है। बांग्लादेश की सत्ताधारी 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' (बीएनपी) ने पश्चिम बंगाल में शानदार जीत दर्ज करने पर भाजपा को औपचारिक रूप से अपनी बधाई दी है।

यह सिर्फ एक चुनावी जीत की बधाई नहीं है, बल्कि इससे दोनों देशों के बीच दशकों पुराने जल विवादों के जल्द सुलझने की एक नई और मजबूत उम्मीद भी जगी है। बांग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी बीएनपी के सूचना सचिव अजीजुल बारी हेलाल ने पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा के शानदार प्रदर्शन की जमकर तारीफ की है। हेलाल ने कहा कि वह विजेता पार्टी भाजपा और शुभेंदु अधिकारी को बधाई देते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की यह जीत सुनिश्चित करेगी कि पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश सरकार के बीच संबंध पहले की तरह ही अच्छे और मजबूत बने रहें। बीएनपी की इस प्रतिक्रिया ने ढाका और कोलकाता के बीच लंबे समय से चल रहे सीमा पार विवादों को लेकर कूटनीतिक उम्मीद का एक दुर्लभ और सकारात्मक क्षण पेश किया है। उनका मानना है कि यह सत्ता परिवर्तन दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने के साथ-साथ काफी बेहतर बनाएगा।

ममता सरकार को बताया सबसे बड़ी बाधा

ममता के सत्ता से हटने पर सुलझेगा तीस्ता जल विवाद?

बीएनपी के इस पूरे बयान में सबसे अहम बात तीस्ता जल बंटवारा संधि को लेकर कही गई है, जो पिछले एक दशक से अधिक समय से अधर में लटकी हुई है। बीएनपी के नेता हेलाल ने सीधे तौर पर निवर्तमान तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व और विशेषकर ममता बनर्जी को इस समझौते में सबसे बड़ी बाधा बताया है।

बीएनपी का दावा है कि ममता बनर्जी का पिछला प्रशासन ही तीस्ता बैराज समझौते में रुकावट डाल रहा था। पार्टी को पूरी उम्मीद है कि अब चूंकि पश्चिम बंगाल की सत्ता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा के हाथ में आ गई है, इसलिए राज्य सरकार इस संधि को अंतिम रूप देने के लिए मोदी प्रशासन के साथ मिलकर काम करेगी। हेलाल ने स्पष्ट कहा कि तृणमूल कांग्रेस की जगह भाजपा के सत्ता में आने से अब तीस्ता बैराज परियोजना को जरूर लागू किया जाएगा।

नदियों के पानी को लेकर क्या है पुराना विवाद?

भारत और बांग्लादेश आपस में कुल 54 नदियां साझा करते हैं, लेकिन अभी तक दोनों देशों के बीच केवल दो ही जल संधियां (गंगा जल संधि और कुशियारा नदी संधि) हो पाई हैं। साल 1996 की गंगा जल संधि सूखे के मौसम में फरक्का बैराज पर पानी के बंटवारे को नियंत्रित करती है, लेकिन बांग्लादेश अक्सर आरोप लगाता है कि सूखे के महीनों में भारत कम पानी छोड़ता है, जिससे उनकी खेती और आजीविका पर बुरा असर पड़ता है। तीस्ता नदी के पानी को लेकर 1983 में एक अस्थायी समझौता हुआ था, जिसमें बांग्लादेश को 36 प्रतिशत और भारत को 39 प्रतिशत पानी दिया गया था, लेकिन यह कभी पूरी तरह लागू नहीं हुआ। साल 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की बांग्लादेश यात्रा के दौरान तीस्ता का 37.5 प्रतिशत पानी बांग्लादेश और 42.5 प्रतिशत पानी भारत को देने का प्रस्ताव था।

अमेरिका के टेक्सास में अंधाधुंध गोलीबारी में दो की मौत, तीन घायल, जांच में जुटी एजेंसियां

वॉशिंगटन। अमेरिका के टेक्सास में एक शॉपिंग मॉल के पास हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हुए। पुलिस ने हमलावर को पकड़ लिया है। शुरूआती जांच के अनुसार, यह हमला आपसी व्यावसायिक रंजिश या संबंध के कारण हुआ।

अमेरिका के टेक्सास राज्य में डलास के उत्तरी शहर कैरोलटन में मंगलवार को एक व्यक्ति ने पांच लोगों पर गोलियां चला दीं। इस हिंसक घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है।

कैरोलटन पुलिस प्रमुख रॉबर्टो एरेडोंडो ने जानकारी दी कि यह कोई अचानक हुआ हमला नहीं था। हमलावर और पीड़ित एक-दूसरे को पहले से जानते थे। पुलिस का मानना है कि उनके बीच कोई व्यावसायिक संबंध था और वे किसी मीटिंग के लिए मिले थे। हालांकि, उस मुलाकात का असली मकसद अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। यह घटना कैरोलटन के कोरियाटाउन इलाके में स्थित के टाउन प्लाजा में हुई, जो डलास से करीब 32.1 किलोमीटर दूर है। सोशल मीडिया पर मौजूद वीडियो में पुलिस अधिकारी हाथों में हथियार लिए प्लाजा की तलाशी लेते नजर आए। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस के साथ एफबीआई और एक अन्य संघीय एजेंसी के अधिकारी भी जांच के लिए मौके पर पहुंचे।

ब्रिटेन में स्टार्मर सरकार पर संकट के बादल, स्थानीय चुनाव बने सत्ता की बड़ी परीक्षा

लंदन। ब्रिटेन में गुरुवार को होने वाले स्थानीय चुनाव प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के लिए अग्निपरीक्षा बन गए हैं। खराब अर्थव्यवस्था, होर्मुज से तेल की सप्लाई रुकने और विवादित फैसलों के कारण उनकी लोकप्रियता काफी गिर गई है। अनुमान है कि लेबर पार्टी को इन चुनावों में भारी नुकसान होगा, जिससे स्टार्मर को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ सकती है।

ब्रिटेन में इस वक्त राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। गुरुवार को होने वाले स्थानीय चुनाव ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के लिए बहुत बड़ी मुसीबत बन गए हैं। इन चुनावों के नतीजे यह तय कर सकते हैं कि स्टार्मर अपनी कुर्सी पर बने रहेंगे या उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ेगा। यह चुनाव साबित कर देंगे कि अब ब्रिटेन एक बंटी हुई राजनीति के दौर में प्रवेश कर चुका है। माना जा रहा है कि देश की जनता प्रधानमंत्री से काफी नाराज है और इसका सीधा असर चुनाव की वोटिंग में देखने को मिलेगा। ब्रिटेन की राजनीति अब कई अलग-अलग पार्टियों में बंटती हुई नजर आ रही है, जिससे सत्ताधारी पार्टी की मुश्किलें

और भी ज्यादा बढ़ गई हैं।

कीर स्टार्मर की 'लेबर पार्टी' को इंग्लैंड की स्थानीय परिषदों के साथ-साथ स्कॉटलैंड और वेल्स की विधानसभाओं में होने वाले इन चुनावों में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। कमजोर अर्थव्यवस्था और जनता की नाराजगी के कारण प्रधानमंत्री की लोकप्रियता काफी नीचे गिर गई है। विपक्षी पार्टियां गुरुवार को होने वाले इस चुनाव को स्टार्मर सरकार के दो साल के कामकाज पर एक कड़े जनमत संग्रह की तरह पेश कर रही हैं।

बढ़ा दी है प्रधानमंत्री की परेशानी?

जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही कीर स्टार्मर ने कई ऐसी गलतियां की हैं, जिससे उनकी साख को भारी धक्का लगा है। उनकी सरकार अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, खस्ताहाल बुनियादी सेवाएं सुधारने और महंगाई कम करने के अपने वादों में पूरी तरह नाकाम रही है। इसके साथ ही, ईरान के साथ अमेरिकी-इस्राइली युद्ध के कारण यह काम और भी मुश्किल हो गया है। इस युद्ध ने होर्मुज के रास्ते से आने वाले तेल की सप्लाई को रोक दिया है। इसके अलावा, एक दागी छवि वाले पीटर मैंडेलसन को वाशिंगटन का राजदूत बनाने के उनके अजीब फैसले से भी देश की जनता और पार्टी के नेता बहुत ज्यादा खफा चल रहे हैं।

स्टार्मर की जगह कौन सा नेता लेगा?

जानकारों का अनुमान है कि लेबर पार्टी इंग्लैंड की 2,500 में से आधी से ज्यादा सीटें बहुत बुरी तरह हार सकती है। यह लेबर पार्टी और प्रधानमंत्री दोनों के लिए बहुत ही खतरे की घंटी है। अगर चुनाव में इतनी करारी हार होती है, तो स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग, पूर्व उप प्रधानमंत्री एंजेला रेनर या मेयर एंडी बर्नहैम जैसे बड़े नेता स्टार्मर को पद से हटाने के लिए सीधी चुनौती दे सकते हैं। नियम के अनुसार किसी भी नेता को ऐसा करने के लिए संसद में कम से कम 80 सांसदों के समर्थन की सख्त जरूरत होगी। जानकारों का साफ कहना है कि अब यह सवाल नहीं है कि स्टार्मर जाएंगे या नहीं, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि वह कब जाएंगे।

ब्रिटेन का राजनीति बदलने वाली हैं?

दशकों से ब्रिटेन में केवल दो ही मुख्य पार्टियां सत्ता के आस-पास रही हैं, लेकिन अब यहां की राजनीति पूरी तरह बदल रही है। इस बार लेबर पार्टी का वोट 'ग्रीन पार्टी' और 'रिफॉर्म यूके' जैसी पार्टियों में बंटने की पूरी उम्मीद है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि ब्रिटेन अब 'पांच-पार्टी सिस्टम' की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। वेल्स में एक सदी से राज कर रही लेबर पार्टी अब तीसरे नंबर पर खिसक सकती है और वहां 'प्लेड सिमरू' पार्टी चुनाव जीत सकती है। वहीं, स्कॉटलैंड में 'स्कॉटिश नेशनल पार्टी' ने कड़ा ऐलान किया है कि अगर वह चुनाव जीती तो ब्रिटेन से आजादी के लिए एक नया जनमत संग्रह कराएगी।

चीनी विदेश मंत्री की ईरानी समकक्ष से मुलाकात
द्विपक्षीय संबंधों और प. एशिया संकट पर चर्चा

बीजिंग। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची चीन पहुंचे हैं, जहां उन्होंने अपने समकक्ष वांग यी से मुलाकात की। हाल में कई देशों के दौरों के बाद अराघची की यह यात्रा जारी कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा मानी जा रही है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बुधवार को बीजिंग में अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात की।

चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने इस बैठक की जानकारी दी। हालांकि, इसमें अधिक विवरण साझा नहीं किया गया।

इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उम्मीद जताई कि चीन इस यात्रा के दौरान ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण कम करने की बात करेगा और क्षेत्र में तनाव घटाने की दिशा में संदेश देगा। इससे पहले ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने जानकारी दी थी कि इस दौरे के दौरान अराघची अपने चीनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय संबंधों और पश्चिम एशिया में जारी संकट समेत क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

अपने चीन दौरे को लेकर अराघची ने क्या कहा था अपनी यात्रा के दौरान अराघची चीन के अपने समकक्ष वांग यी के साथ दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने और मौजूदा वैश्विक स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि अराघची की यह यात्रा वांग यी के निमंत्रण पर हो रही है और दोनों नेताओं के बीच बातचीत होगी। अराघची ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि यह यात्रा कई देशों के साथ जारी कूटनीतिक बातचीत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

चीन से पहले तीन देशों का किया दौरा

कुछ दिनों पहले ही उन्होंने पाकिस्तान, ओमान और रूस का दौरा किया है। ये दौरे पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच बातचीत का हिस्सा हैं। पिछले महीने रूस दौरे के दौरान अराघची ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। पुतिन ने कहा था कि रूस पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के लोग अपनी संप्रभुता के लिए बहादुरी से लड़ रहे हैं। इस मुलाकात में अराघची ने अमेरिका और इस्राइल से संघर्ष और हमलों पर भी विस्तार से चर्चा की। पुतिन ने कहा कि रूस ईरान के हितों का समर्थन करेगा और क्षेत्र में शांति बहाल करने में मदद करेगा। पाकिस्तान दौरे के दौरान अराघची ने ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत की संभावनाओं पर भी चर्चा की। इसके बाद ओमान की यात्रा में उन्होंने समुद्री सुरक्षा पर फोकस दिया। वहां होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चर्चा हुई, जो एक अहम समुद्री मार्ग है। अराघची ने कहा कि ईरान और ओमान दोनों इस जलडमरूमध्य के तटीय देश हैं, इसलिए आपसी बातचीत जरूरी है, खासकर जब यहां से सुरक्षित आवाजाही एक बड़ा वैश्विक मुद्दा बन गई है।

नई दिल्ली | दैनिक करंट क्राइम | 08 | गुरुवार • 07 मई -2026

गाजियाबाद नगर निगम Ghaziabad Nagar Nigam (ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY

श्रमिकों के जीवन स्तर सुधारने को जिला प्रशासन सक्रिय

डीएम मेधा रूपम की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास पर जोर

नोएडा (करंट क्राइम)। जनपद गौतमबुद्ध नगर में कार्यरत श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर, सुरक्षित और सुलभ बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एनजीओ एवं आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी के रूप में जाना जाता है, जहां बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं और लाखों श्रमिक कार्यरत हैं। ऐसे में उनके आवास, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, कौशल विकास और बच्चों की शिक्षा जैसे विषयों पर योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने एनजीओ और आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों से कहा कि श्रमिकों के कल्याण से जुड़े कार्य हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने, कौशल विकास को बढ़ावा देने और बच्चों को शिक्षा दिलाने में सामाजिक संस्थाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। जिलाधिकारी ने श्रमिक दिवस पर आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर में सहयोग देने वाले निजी अस्पतालों और संस्थाओं की सराहना करते हुए अन्य संगठनों से भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। बैठक में निर्देश दिए गए कि जिला सेवायोजन अधिकारी केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी सभी संबंधित संस्थाओं के साथ साझा करें, ताकि अधिक से अधिक पात्र श्रमिक इनका लाभ उठा सकें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, जिला सेवायोजन अधिकारी मनीषा अत्री, उपायुक्त उद्योग पंकज निर्वाण, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, सहायक श्रमायुक्त सुयश पांडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं एनजीओ व आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु जिला जज ने कसी कमर, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जनपद न्यायालय में आगामी 9 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में, जिला जज विनोद सिंह रावत की अध्यक्षता में न्यायालय परिसर के सभागार में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य लंबित वादों का त्वरित, सुलभ और सौहार्दपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करना रहा। जिला जज ने स्पष्ट किया कि लोक अदालत केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आम जनता को कानूनी पेचीदगियों से बचाकर जल्द न्याय दिलाने का एक सशक्त माध्यम है। जिला जज ने बैठक में उपस्थित न्यायिक और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अधिक से अधिक वादकारियों (पक्षकारों) से संपर्क करें और उन्हें लोक अदालत के फायदों के बारे में जागरूक करें।

बैठक के दौरान विभिन्न प्रकृति के लंबित मामलों के निस्तारण हेतु रणनीति बनाई गई, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं: बैंक वसूली और चेक बाउंस (धारा 138 एनआई एक्ट)। वैवाहिक विवाद और श्रमिक संबंधी मामले। मोटर दुर्घटना दावा और विभिन्न राजस्व वाद। बिजली, पानी के बिल और अन्य शमनीय (सुलह योग्य) अपराध।

इस महत्वपूर्ण बैठक में न्यायिक जगत के साथ-साथ जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी शिरकत की। बैठक में मुख्य रूप से: जितेन्द्र मिश्रा (नोडल अधिकारी, एससी/एसटी एक्ट), लोकेश वरुण (अपर जिला जज), नीरज गौतम (विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो एक्ट), नेहा बनोधिया (सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण)। इनके अलावा, अपर जिलाधिकारी (नगर), एआरटीओ, जिला पूर्ति अधिकारी, विभिन्न बैंकों के काउंसिल अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी, एलडीएम, तहसीलदार और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जनता से अपील

जिला प्रशासन और न्यायालय ने गाजियाबाद के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं। लोक अदालत में निस्तारित मामलों की कोई अपील नहीं होती, जिससे विवाद का स्थायी समाधान हो जाता है। नागरिक अपने लंबित मामलों को लोक अदालत में लगवाने के लिए संबंधित न्यायालय या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से तत्काल संपर्क कर सकते हैं।

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** किसी ने नजारा देखा प्रत्यक्ष? वो हैरान हो गया जब सांसद के आवास पर मौजूद दिखे सपा के पूर्व अध्यक्ष? उसने अपनी आंखों को कई बार मसला? वो जानना चाह रहा था कि आखिर क्या है मसला? उसने देखा ठहाकों के साथ पूर्व अध्यक्ष कर रहे थे सांसद जी से बहुत सारी बात? हो सकता है ये मुलाकात किसी जरूरी काम को लेकर हुई हो? सांसद तो सभी के होते हैं? फिर चाहे वो सपा वाला हो या फिर राह पर चलने वाला हो?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** दो भगवा ताकतवर चेहरों का सोने के दृश्य वाले स्थान पर हुआ आमना-सामना? हमने देखा एक ताकतवर चेहरे ने अपने साथ बल लेकर चल रहे दूसरे ताकतवर चेहरे की आंखों में आंखे डालकर कही पूरी बात? कहा इस आदमी ने चुनावों में हमारा विरोध किया? इसने कराया था गद्दारी का एहसास? सुना है इन आक्रामक शब्दों को सुनने के बाद भी सामने वाला चेहरा रहा खामोश? पार्टी में चर्चा है कि बात जब इतनी बढ़ गई थी तो कम से कम हमारे वालों को दिखाना तो चाहिए था थोड़ा बहुत जोश?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवा मैडम संगठन ने दे दिया है कहीं पर ये पैगाम? जितना हमारी ठाकुर सिस्टर सोच रही हैं? उतना नहीं है उनका मोर्चे में आना आसान? हमें है इस बात का पूरा एहसास? वो इनको सपने दिखायेंगे खास? मगर अंत में इनका हो जायेगा उन्हीं शर्मा जी जैसा हाल? जो आजकल वीडियो बनाकर तरह-तरह के संदेश रहे हैं निकाल? इनकी भी उम्मीदों का नहीं भरेगा गागर में सागर? चेहरा कोई और ही होगा? किसी और का शोर ही होगा?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** उन्होंने कर दिया है काजल दीदी को आश्वस्त? बोल दिया है कि तुम लेडी फ्रंट में आने का माहौल बनाओ? हम तुम्हारे लिए मदद करेंगे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष? तुम संभाल सकती हो इस फ्रंट की मजबूती से जिम्मेदारी? मगर सुना है काजल दीदी ही नहीं खेलना चाहती हैं ये वाली पारी? पता चला है दीदी काजल को एक सीनियर दीदी ने दी है सलाह? वो जो कह रहे हैं स्वीकार कर लो? तब हकीकत सामने आ जायेगी? वो कितना चाहते हैं तुम्हारा हकीकत में भला?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** जब से बंगाल चुनाव से लौटे हैं गाजियाबाद वापस दो धुरंधर? तब से एक हमजा की चर्चा ज्यादा है? जबकि दूसरे हमजा की तारीफों को कर दिया गया है अंदर? हम यहां पर कर रहे हैं आपसे लोनी वाले सौम्य मावी जी की बात? उन्होंने चार महीनों का झेला है वनवास? छोड़कर अपने सारे व्यवसायिक और पारिवारिक काम? जब तक वो वहां पर रहे, तब से उन्होंने नहीं बनाया गाजियाबाद वापसी का प्रोग्राम? हम चाहते हैं इस चेहरे का भी हो ठीक से आदर और सत्कार? ये मिशन पर इतनी खामोशी पर गये थे? बस इन्होंने रणवीर सिंह की तरह दाढ़ी नहीं बढ़ाई थी यार?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** अध्यक्ष जी करते हैं बहुत ही तू-तड़ाक? महामंत्री से लेकर उपाध्यक्ष ऊपर तक पहुंचा तक चुके हैं ये बात? वो कह चुके है कि अध्यक्ष जी के व्यवहार से अधिकतर चेहरे हैं नाराज? मगर बताने वाले ने इस बात को बताते हुए कहा कि ये स्पष्ट कर देना कि हम महानगर की नहीं कर रहे हैं यहां पर बात? ये तो कोई और अध्यक्ष ही कर रहा है इस तरह का व्यवहार? बाकी हमसे ज्यादा मत बुलवाओ क्यों आप हो बहुत ज्यादा समझदार?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** सोने वाले दृश्य के हॉल में चल रहा था एक प्रोग्राम? हमने देखा यहां पर भगवा ठाकुर भी थे विराजमान? हम तो शर्मा एंड कंपनी का इंटरव्यू सुनने के बाद आपको बता रहे हैं ये बात? वो जिस चेहरे को लेकर वहां पर सॉफ्ट नजर आ रहे थे? वो चेहरा ही ठाकुर साहब के सामने इनका मामला कर रहा था खराब? उनको ये चेहरा दे रहा था तर्क? ये इस कार्यक्रम में अपेक्षित नहीं है? नहीं भी आयें तो नहीं पड़ेगा कोई भी फर्क?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** फिर हमने शर्मा एंड कंपनी के इंटरव्यू में सुनी एक और बात? वो बोले हममें से एक विधायक बन गया है? बाकी दो भी बन जायेंगे साहब? हम तो बस उनको दिल रहे हैं एक बात याद? ये तीनों जिनके अंडर में महामंत्री थे? थोड़ी उनकी भी कर लें बात? अगर ये उनके भी विधायक बनने का करते जिक्र? तब हम समझते कि सही में कर रहे हैं अपनों की फिक्र?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** अंदर से बाहर आई है एक बात? एक पूर्व अध्यक्ष ने जीडीए बोर्ड बनने से खड़े कर दिये हैं अपने हाथ? उन्होंने भिजवा दिया है संगठन को अपना विचार? कह दिया हैं हमें नहीं चाहिए ये वाला किरदार? कहने वाले ने कहा ये पूर्व अध्यक्ष अपनी बात पर रहते हैं कायम? इन्होंने अपना दिल अब नहीं रखा है मुलायम? कहने वाले ने कहा पार्टी को इन जैसे चेहरे को देना चाहिए कुछ बड़ा मुकाम? यूं आती हुई जिम्मेदारी को ठुकरा देना नहीं होता है आसान?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** एक बात तो हो रही है क्लियर? एक महामंत्री को एक और नाराजगी के लिए तैयार रहना होगा डियर? सुना है अगर वो अपने मित्र समाज छोटे भाई को नहीं दिलवा पाये उसका अपेक्षित सम्मान? तब देखना फिर अंदरखाने शुरू होगा एक और घमासान? कहीं ये भी चेहरा हो ना जाये लाईन पार वाले चेहरे की तरह उनसे नाराज? पता चला है इसके फोन पर लगातार आ रही हैं उनकी मिस्ड्कॉल? फिलहाल ये रिप्लाई नहीं दे रहा? मगर कब तक खुद को रोकेगा साहब?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

चौधरी अजीत सिंह की पुण्यतिथि पर रालोद कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

प्रतिमा स्थापना का प्रस्ताव पारित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय लोकदल के जिला कार्यालय पर पार्टी के संस्थापक, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं किसानों के नेता चौधरी अजीत सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं हवन का आयोजन किया गया। इसके बाद आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने चौधरी अजीत सिंह के राजनीतिक जीवन, किसान हित में किए गए कार्यों तथा उनके व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी ने की, जबकि संचालन हिमांशु नागर ने किया। वक्ताओं ने कहा कि चौधरी अजीत सिंह ने हमेशा किसानों, मजदूरों और आम जनता की आवाज को मजबूती से उठाया तथा उनके सिद्धांत आज भी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा हैं।

कार्यक्रम में चौधरी तेजपाल सिंह सदस्य राष्ट्रीय कार्यकारिणी, अमरजीत सिंह बिड्डी प्रदेश अध्यक्ष सहकारिता प्रकोष्ठ, अमरीश त्यागी, अजय प्रमुख, इंदरजीत सिंह टीटू राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, कुंवर अय्यूब अली एडवोकेट, अजयवीर सिंह एडवोकेट, योगेंद्र पतला क्षेत्रीय महासचिव, डॉ. पूनम गर्ग राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, ओ.डी. त्यागी प्रदेश सचिव, विनोद गौतम जिला उपाध्यक्ष, अंकुर त्यागी जिला अध्यक्ष सहकारिता प्रकोष्ठ, नरेंद्र जाटव जिला अध्यक्ष एससी प्रकोष्ठ सहित कई नेताओं ने अपने विचार व्यक्त किए और चौधरी अजीत सिंह से जुड़े संस्मरण साझा किए।

इसके अलावा डॉ. किशनलाल, रेखा चौधरी, प्रदीप त्यागी, दीपमाला चौधरी, इंदरानी त्यागी, तुषार कौशिक, विवेक शर्मा, शाकिर अली, संजय बैंसला, अरुण शर्मा, सतपाल सलेमाबाद, पप्पू चौधरी, नीरज सहरावत, सुरेंद्र खुरमपुर, मुन्ना खान, गौरव शर्मा, राजेंद्र नेता, रामलाल जाटव, नसीम खान, प्रदीप मुखिया, ललित सैन, सुमन चौधरी, सतेंद्र तोमर, मनोज चौधरी, जयदीप चौधरी, विनोद चौधरी, जुनैद, कृष्णा नागर, मनोज त्यागी, मुनिन्द्र बिल्ला, आलोक डागर, दिनेश शर्मा, संजीव अरोड़ा, मोबीन अली, अमित त्यागी और जगराम सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। गोष्ठी के दौरान सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर चौधरी अजीत सिंह की जन्मस्थली गांव भदोला, तहसील मोदीनगर, जनपद गाजियाबाद में उनकी प्रतिमा स्थापित किए जाने की मांग उठाई गई। नेताओं ने कहा कि इससे आने वाली पीढ़ियों को उनके संघर्ष और योगदान से प्रेरणा मिलेगी।

संजय नगर रामलीला कमेटी चुनाव में वीरेंद्र बाबू वर्मा गुट का दबदबा, सभी प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। संजय नगर सेक्टर-23 स्थित श्री आदर्श धार्मिक रामलीला कमेटी के लंबे समय से चले आ रहे विवाद के बाद मंगलवार को विकास भवन में प्रशासनिक चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गए। चुनाव में वीरेंद्र बाबू वर्मा गुट ने सभी नौ पदों पर निर्विरोध जीत दर्ज कर कमेटी में अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया। अध्यक्ष पद पर अशोक चांदीवाल, उपाध्यक्ष पद पर पवन शर्मा और महामंत्री पद पर अरुण शर्मा निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। इसके अलावा के.के. शर्मा, पुष्पेंद्र राघव, योगेंद्र सिंह और रामेश्वर सिंह समेत सभी प्रत्याशी बिना मुकाबले के विजयी रहे।

रामलीला कमेटी का मामला वर्ष 2024 से डिप्टी रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स गाजियाबाद के समक्ष विचाराधीन था। कमेटी के संचालन और सदस्यता को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। मामले में लंबी सुनवाई के बाद जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया और 21 वैध सदस्यों की सूची के आधार पर चुनाव प्रक्रिया पूरी कराई गई।

चुनाव में विपक्ष की ओर से किसी भी पद पर नामांकन दाखिल नहीं किया गया, जिसके चलते सभी प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। चुनाव परिणाम आने के बाद समर्थकों ने इसे संगठनात्मक एकजुटता और न्यायिक प्रक्रिया की जीत बताया। निवर्तमान अध्यक्ष वीरेंद्र बाबू वर्मा ने कहा कि उन्हें न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा था और उनके पक्ष ने सभी आवश्यक दस्तावेज समय पर प्रस्तुत किए। वहीं नवनिर्वाचित अध्यक्ष अशोक चांदीवाल ने कहा कि नई कार्यकारिणी सभी सदस्यों को साथ लेकर पारदर्शिता और समर्पण के साथ कार्य करेगी।

कमेटी सदस्यों ने इस पूरे संघर्ष में कपिल वशिष्ठ और मनोज वर्मा की भूमिका को भी अहम बताया। नई कार्यकारिणी अब आगामी रामलीला आयोजन और सामाजिक गतिविधियों को बेहतर ढंग से संचालित करने पर फोकस करेगी।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष पर महिला मोर्चा उपाध्यक्ष को अश्लील फोटो भेजने का आरोप

भाजपा नेताओं ने थाने पर किया हंगामा

मोदीनगर, करंट क्राइम। भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष ने पार्टी के ही जिला उपाध्यक्ष पर व्हाट्सएप पर अश्लील फोटो और अभद्र मैसेज भेजने का आरोप लगाया है। महिला ने तुरंत चैट का स्क्रीनशॉट लेकर आरोपी का नंबर ब्लॉक कर दिया। इस मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर बड़ी संख्या में महिला भाजपा नेता थाने पहुंचे और शिकायती पत्र दिया। मोदीनगर थानान्तर्गत एक गांव की निवासी महिला भाजपा महिला मोर्चा में जिला उपाध्यक्ष हैं। उनके अनुसार, मंगलवार रात को उनके व्हाट्सएप पर जिला उपाध्यक्ष का मैसेज आया।

इसके बाद आरोपी ने उन्हें अश्लील फोटो भेजने शुरू कर दिए और अश्लील टिप्पणी भी की। पदाधिकारियों ने थाना प्रभारी आनन्द प्रकाश मिश्र से मुलाकात कर उन्हें पूरी घटना बताते हुये रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है, उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर स्वदेश जैन, नीरज त्यागी, दीपक वत्स, प्रदीप बोस, विजय बाल्मीकि, रोहित अग्रवाल सहित कई अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे।

प्रेमी की मौत का मामला निकला हत्या, मकान मालिक व पत्नी गिरफ्तार

नोएडा (करंट क्राइम)। नोएडा के सेक्टर-24 क्षेत्र के चौड़ा रघुनाथपुर गांव में युवक-युवती के छत से गिरने की घटना अब हत्या का मामला निकली है। पुलिस ने जांच के बाद मकान मालिक और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में युवक की मौत हो चुकी है, जबकि युवती गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार ने बताया कि सोमवार सुबह सूचना मिली थी कि सेक्टर-22 के हनुमान मंदिर के पास एक मकान से पुनीत (26 वर्ष) और कुमारी विद्या दास (20 वर्ष) ने कथित रूप से छलांग लगा दी है। दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां पुनीत को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि विद्या दास को गंभीर हालत में दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बाद में मृतक के पिता कृष्ण पाल की शिकायत पर गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। जांच के दौरान सामने आया कि घटना में मकान मालिक हितेश राणा और उसकी पत्नी चंचल राणा की भूमिका है।

ॐ शोक संदेश ॐ

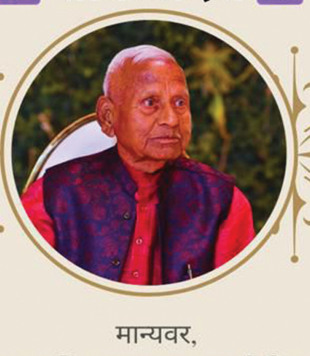

मान्यवर,
अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्य पिताजी
श्री पुरुषोत्तम दास मोदी जी
का स्वर्गवास दिनांक 27 अप्रैल 2026 को हो गया है।
प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी।
उनकी तेरहवीं (अरिष्टि) शुक्रवार, दिनांक 8 मई 2026 को होना निश्चित हुई है।

कार्यक्रम:

तेरहवीं दिनांक: 08 मई 2026 (शुक्रवार)

ब्रह्मभोज------------------------प्रातः 11:00 बजे
प्रसाद---------------------------दोपहर 12:00 बजे
रस्म पगड़ी ---------------------- दोपहर 3:00 बजे

कार्यक्रम स्थल : AVS गार्डन, हापुड़ रोड, मोदीनगर

शोकाकुल परिवार:
जगदीश प्रसाद मोदी (भाई)
बजरंग बली मोदी (भाई)
विपिन मोदी, संदीप मोदी (पुत्र)
सीताराम मोदी, प्रदीप मोदी (भतिजा)
अभय देव मोदी, आदित्य मोदी, सिद्धार्थ मोदी (पौत्र)

निवास:
A3/1, आलोक पार्क,
मोदीनगर
संपर्क सूत्र:
9219615061
9548177298

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।